website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 232 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 31 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त 2 अगस्त को करेंगे जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की अगली किस्त 2 अगस्त को जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम में, यह किस्त जारी करेंगे। वर्ष 2019 में इस योजना के शुभारंभ के बाद से, 19 किस्तों के माध्यम से किसानों के खातों में ₹3.69 लाख करोड़ हस्तांतरित किए जा चुके हैं। वहीं, 20वीं किस्त में 9.7 करोड़ किसानों को ₹20,500 करोड़ हस्तांतरित किए जाएंगे।

अगले महीने 2 अगस्त को होने वाले इस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा और अधिकतम किसानों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए बुधवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस दौरान, कृषि मंत्री ने अधिकारियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला और ग्राम स्तर पर किसानों को इस कार्यक्रम से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को एक राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में आयोजित करने का आह्वान किया।

कृषि विज्ञान केंद्रों को निर्देश देते हुए, चौहान ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, किसानों को तीन किस्तों में ₹6,000 हस्तांतरित किए जा रहे हैं, प्रत्येक किस्त हर चार महीने में जारी की जाती है। इस प्रक्रिया में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शीघ्र तैयारियां करने का आह्वान किया और कहा कि इस कार्यक्रम को उत्सव और मिशन दोनों के रूप में मनाया जाना चाहिए, क्योंकि यह प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सुनिश्चित करता है और जन जागरूकता अभियान के रूप में कार्य करता है।

केंद्रीय मंत्री ने किसानों से 2 अगस्त के कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया और कहा कि यह योजना से लाभ उठाने और कृषि विकास कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का एक अवसर है।

चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कृषि सखियों, ड्रोन दीदीयों, बैंक सखियों, पशु सखियों, बीमा सखियों और ग्राम पंचायत सरपंचों जैसे जमीनी कार्यकर्ताओं का उपयोग करके इस आयोजन के बारे में व्यापक जानकारी प्रसारित करें।

कृषि मंत्री ने कहा कि इस दौरान खरीफ फसलों के बारे में किसानों के साथ संवाद, जुड़ाव बढ़ाने में बेहद कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम को अधिकतम किसानों तक पहुंचने के लिए पूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जाएगा।

दिल्ली-NCR में झमाझम बारिश से गर्मी और वायु प्रदूषण से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, नोएडा और आसपास के इलाकों में मंगलवार को हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहावना हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 1 से 4 अगस्त तक हल्की बारिश या गरज के साथ बारिश होती रहेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा।

वहीं बारिश के चलते दिल्ली-NCR में वायु गुणवत्ता में भी सुधार देखने को मिला है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 'अति उत्तम' (0-50) से 'उत्तम' (51-100) श्रेणी में दर्ज किया गया है। नोएडा के सेक्टर-125 में AQI 49, सेक्टर-62 और सेक्टर-1 में 40 और सेक्टर-116 में 37 दर्ज हुआ। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-III में AQI 57 और नॉलेज पार्क-V में 88 रहा। गाजियाबाद के लोनी में AQI 59, इंदिरापुरम में 40, संजय नगर में 43 और वसुंधरा में 49 दर्ज किया गया। जबकि दिल्ली के नॉर्थ कैंपस में AQI 77, द्वारका में 68, ओखला फेज-2 में 32, पंजाबी बाग में 66, पूसा में 70, IGI एयरपोर्ट में 67, ITO में 84 और मुंडका में 110 रिकॉर्ड किया गया।

हालांकि, भारी बारिश की वजह से नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। इसके चलते कुछ स्थानों पर ट्रैफिक जाम भी लगा और लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का किया ऐलान, रूस से संबंधों को लेकर जताई नाराजगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया है। यह फैसला 1 अगस्त से लागू होगा। यह घोषणा ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर की। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय भारत द्वारा रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीदने को लेकर भी लिया गया है।

ट्रंप ने कहा, "याद रखिए, भले ही भारत हमारा मित्र है, लेकिन वर्षों से हमने भारत के साथ अपेक्षाकृत बहुत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत अधिक हैं।" उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, यह घोषणा ऐसे समय में आई है, जब भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ महीनों से व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी, लेकिन अब तक कोई अंतरिम या सीमित समझौता (मिनी ट्रेड डील) नहीं हो सका है।

ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध के बीच भारत द्वारा रूस से हथियार और ऊर्जा खरीद जारी रखने की आलोचना की। उन्होंने कहा, "भारत हमेशा से रूस से अधिकांश सैन्य आपूर्ति खरीदता आया है और चीन के साथ मिलकर रूस से ऊर्जा खरीदने वाला सबसे बड़ा खरीदार है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं बंद करे, ये चीजें बिल्कुल भी अच्छी नहीं हैं।" ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, "ये सब अच्छी चीजें नहीं हैं! इसलिए भारत को 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा, साथ ही उपरोक्त कारणों को लेकर जुर्माना भी देना होगा, जो 1 अगस्त से लागू होगा। इस विषय पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।"

इससे पहले भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है।

'तीनों आतंकियों को सिर में मारी गई गोली', ऑपरेशन महादेव पर बोले अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान 'ऑपरेशन महादेव' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकवादियों को 'ऑपरेशन महादेव' में ढेर किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में अपने संबोधन के दौरान कहा, "सोमवार को हमारे सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन महादेव को अंजाम दिया, जिसमें पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार तीन आतंकवादियों को ढेर किया गया। पीएम मोदी ने सेना को छूट दी और सेना ने 'लश्कर-ए-तैयबा' को छिन्न-भिन्न कर दिया। जिन लोगों ने आतंकी हमला किया, वे भी मारे गए और उनके आका भी ढेर कर दिए गए।"

उन्होंने आगे कहा, "'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' जब एक साथ होते हैं, तो यह दुनिया के सभी आतंकवादी हमलों में सबसे सटीक और त्वरित जवाब बन जाता है, जो पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के सुरक्षाबलों ने दिया है। पहलगाम में आतंकियों ने जिन राइफलों का इस्तेमाल किया था, उन्हें बरामद किया गया। उनकी साइंटिफिक जांच की गई, और इसमें कोई शक नहीं है कि उन्हीं आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया था। आतंकियों के पास से 44 कारतूस भी बरामद किए गए, जिनकी जांच की गई और उन्हीं का इस्तेमाल हमले में किया गया था। चेहरे की पहचान भी कैमरे से हुई है। आतंकियों के चेहरे का मिलान हो चुका है।"

अमित शाह ने राज्यसभा में बताया कि आतंकियों ने हमारे लोगों के सिर में गोली मारी। देश भर से लोगों के संदेश आए- 'कृपया, शहीदों के परिजनों के लिए, इन आतंकियों के सिर में गोली मारी जाए'। संयोग देखिए, तीनों आतंकियों के एनकाउंटर के वक्त गोली सीधे सिर में ही लगी।

गृह मंत्री शाह ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, "कांग्रेसी कह रहे हैं कि 'ऑपरेशन 'महादेव' का नाम धार्मिक है। क्या वे भूल गए हैं कि 'हर हर महादेव' तो शिवाजी महाराज की सेना का युद्ध घोष था? 'हर हर महादेव' बोलकर ही छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी थी।" उन्होंने आगे कहा, "पीएम मोदी की दूरदर्शिता के लिए बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूं। उनका बोला एक-एक शब्द आज सच हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि आतंकवादियों की बची-खुची जमीन भी मिट्टी में मिला देंगे, आज उनके ट्रेनिंग सेंटर और हेडक्वार्टर मिट्टी में मिलकर जमींदोज हो गए हैं।"

राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "इस सदन में खड़े होकर मैं वादा करता हूं कि जम्मू-कश्मीर आतंकवाद से मुक्त होगा। यह नरेंद्र मोदी सरकार का संकल्प है।"

अंतरिक्ष में भारत ने रचा इतिहास, इसरो का 'निसार मिशन' लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर अंतरिक्ष में इतिहास रच दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिका की नासा ने एक साथ मिलकर निसार मिशन लॉन्च किया। यह सैटेलाइट बुधवार की शाम को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च की गई। निसार मिशन पृथ्वी की बेहतर निगरानी करेगा।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि बधाई हो भारत। दुनिया के पहले दोहरे बैंड वाले रडार उपग्रह निसार को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ16 का सफल प्रक्षेपण हुआ। चक्रवात और बाढ़ आदि जैसी आपदाओं के सटीक प्रबंधन में एक क्रांतिकारी बदलाव होगा। इसके अलावा कोहरे, घने बादलों, बर्फ की परतों आदि को भेदने की इसकी क्षमता इसे विमानन और नौवहन क्षेत्रों के लिए एक अग्रणी उपकरण बनाती है।

उन्होंने कहा कि निसार से प्राप्त इनपुट पूरे विश्व समुदाय को लाभान्वित करेंगे, 'विश्वबंधु' की सच्ची भावना के अनुरूप। ऐसे समय में अंतरिक्ष विभाग से जुड़ने पर गर्व है जब टीम इसरो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोगात्मक संरक्षण में, एक के बाद एक वैश्विक उपलब्धियां दर्ज कर रही है।

1.5 बिलियन डॉलर के इस मिशन का उद्देश्य पृथ्वी की सतह की निगरानी के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। इसका खास मकसद प्राकृतिक आपदाओं और पर्यावरण में हो रहे बदलावों पर बारीकी से नजर रखना है। निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) एक ऐतिहासिक प्रोजेक्ट है। यह पहला ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें धरती को देखने के लिए दो अलग-अलग फ्रीक्वेंसी वाले रडार, नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड, का इस्तेमाल किया गया है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने सभी टीमों को निसार मिशन की सफल लॉन्चिंग के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस मिशन से सभी को फायदा होगा और धरती की बेहतर निगरानी होगी।

गोवा में ईडी का एक्शन, 212.85 करोड़ से अधिक की अचल संपत्तियों को किया कुर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पणजी स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने गोवा में 212.85 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत गोवा राज्य के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर स्थित अचल संपत्तियों पर ये कार्रवाई की है।

ईडी ने बुधवार को एक बयान में बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), पणजी क्षेत्रीय कार्यालय ने 28 जुलाई को गोवा के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर स्थित कई अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिनका मूल्य 212.85 करोड़ रुपए है।

यह कार्रवाई रोहन हरमलकर और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में एक संगठित आपराधिक गिरोह द्वारा किए गए भूमि हड़पने और जालसाजी की व्यापक साजिश की चल रही जांच के संबंध में की गई है।

ईडी के मुताबिक, ईडी ने गोवा पुलिस द्वारा दर्ज दो प्राथमिकियों के आधार पर जांच शुरू की है। ये एफआईआर रोहन हरमलकर और अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज की गई थीं।

उन पर जालसाजी, धोखाधड़ी, फर्जी पहचान का इस्तेमाल करने और नकली दस्तावेजों के जरिए उत्तर गोवा में जमीन के टुकड़े धोखे से हड़पने के आरोप हैं।

ईडी की जांच में पता चला है कि रोहन हरमलकर ने अलकांट्रो डिसूजा और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक आपराधिक षड्यंत्र रचा, जिसके तहत अंजुना, रेवोरा, नडोरा, कैमुरलिम, पर्रा, और बारदेज तालुका व मापुसा शहर, गोवा के आसपास के अन्य क्षेत्रों में स्थित उच्च मूल्य की संपत्तियों को हड़पने की साजिश रची गई।

पीएमएलए जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने कीमती अचल संपत्तियों पर झूठा मालिकाना हक जताने के लिए नकली वंशावली रिकॉर्ड, फर्जी बिक्री विलेख, जाली वसीयत, बदली गई इन्वेंट्री कार्यवाहियां और अन्य नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। इसके जरिए वे इन संपत्तियों को वैध दिखाने की कोशिश कर रहे थे।

इस तरह उन्होंने बड़ी मात्रा में अपराध की कमाई (पीओसी), जो पीएमएलए की धारा 2(1)(यू) के तहत परिभाषित है, उत्पन्न की।

अपराध से कमाई गई रकम (पीओसी) का एक हिस्सा सीधे रोहन हरमलकर, अलकांट्रो डिसूजा और अन्य आरोपियों को मिला।

बाद में इस रकम को उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के बैंक खातों के जरिए घुमाया गया। इस अवैध कमाई को अलग-अलग खातों से गुजारकर और मिलाकर ऐसे दिखाया गया कि जैसे वह वैध (साफ-सुथरी) हो, ताकि काले धन को सफेद किया जा सके।

ईडी के अनुसार, अब तक 212.85 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की कई अचल संपत्तियां, जो सीधे पीओसी का हिस्सा हैं, उसकी पहचान की गई है और पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से उसे कुर्क किया गया है।

साथ ही बाकी पीओसी का पता लगाने और कुर्क करने के प्रयास जारी हैं ताकि धन शोधन के पूरे दायरे का खुलासा किया जा सके। मुख्य आरोपी रोहन हरमलकर को जून में पीएमएलए, 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया था और वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब बैन

-अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पहले से है पाबंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने बड़ा फैसला करते हुए 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रतिबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में यूट्यूब को भी शामिल किए जाने की घोषणा की है। इससे पहले यूट्यूब को इस नियम से छूट हासिल थी लेकिन सरकार ने अब इसे बदल दिया है। हालांकि यूट्यूब किड्स इससे मुक्त रहेगा।

नया नियम 10 दिसंबर से होगा लागू

नया नियम 10 दिसंबर से लागू होगा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अपने ताजा आदेश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यूट्यूब को बैन कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, स्नैपचैट और एक्स के इस्तेमाल पर पाबंदी है।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इसे लेकर गाइड लाइन जारी की

इस सूची में यूट्यूब को भी शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इसे लेकर गाइड लाइन जारी करते हुए कहा है कि अगर 16 साल से कम उम्र के बच्चों का यूट्यूब अकाउंट मिला या बच्चों ने कोई सोशल मीडिया अकाउंट सबसक्राइब किया तो कानूनी कार्रवाई होगी। बच्चे यूट्यूब किड्स इस्तेमाल कर सकते हैं। यूट्यूब किड्स पर अपलोड कंटेट बच्चों के लिए सुरक्षित है। इसमें बच्चे वीडियो अपलोड नहीं कर सकते।

10 में से चार ऑस्ट्रेलियाई बच्चों को सबसे अधिक नुकसान यूट्यूब के इस्तेमाल से हुआ

द गार्जियन के मुताबिक संचार मंत्री अनिका वेल्स ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यूट्यूब किड्स इससे मुक्त रहेगा। उन्होंने इस फैसले का श्रेय ई-सेफ्टी कमिश्नर की सलाह को दिया और कहा कि सरकार इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकती कि 10 में से चार ऑस्ट्रेलियाई बच्चों ने बताया है कि उन्हें सबसे अधिक नुकसान यूट्यूब के इस्तेमाल से हुआ है। वेल्स ने कहा कि सरकार सोशल मीडिया कंपनियों से डरेगी नहीं और माता-पिता को प्राथमिकता देते हुए यह नीति लाई गई है।

यूट्यूब को पाबंदी की सूची में शामिल करने का फैसला बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए

सरकार का कहना है कि यूट्यूब को पाबंदी की सूची में शामिल करने का फैसला बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। यह अन्य देशों के लिए भी मॉडल बन सकता है। ऑस्ट्रेलिया का बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी से संबंधित कानून दुनिया में अपनी तरह का पहला कानून है।

ऑस्ट्रेलिया ऐसा बिल पारित करने वाला दुनिया का पहला देश

उल्लेखनीय है कि पिछले साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन का बिल संसद से पारित हो गया। विशेष बात यह है कि पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसका समर्थन किया। ऑस्ट्रेलिया ऐसा बिल पारित करने वाला दुनिया का पहला देश है।

रूस में भूकंप के बाद अमेरिका में सुनामी का खतरा

-सैन फ्रांसिस्को में भारतीय दूतावास ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के कामचटका क्षेत्र में बुधवार तड़के आए 8.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद प्रशांत महासागर के कई हिस्सों में सुनामी का खतरा बढ़ गया है। इस स्थिति को देखते हुए सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कैलिफोर्निया, हवाई और अमेरिका के अन्य पश्चिमी तटीय इलाकों में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, "हम रूस में 8.7 तीव्रता के भूकंप के बाद संभावित सुनामी खतरे की निगरानी कर रहे हैं। कैलिफोर्निया, हवाई और अन्य पश्चिमी तटीय इलाकों में रह रहे भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।"

दूतावास ने भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय प्रशासन, अमेरिकी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसियों और यूएस सुनामी चेतावनी केंद्र की सलाह का पालन करें। साथ ही यदि सुनामी की चेतावनी जारी होती है तो लोग तटीय क्षेत्रों से दूर रहें, ऊंचे स्थानों पर जाएं, आपातकालीन बैग तैयार रखें और मोबाइल जैसे उपकरण चार्ज में रखें। आपात स्थिति में संपर्क के लिए एक हेल्पलाइन नंबर +1-415-483-6629 जारी की गई है।

इसी तरह जापान में भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जापानी प्रधानमंत्री कार्यालय ने सुबह 9:43 बजे (JST) एक निर्देश जारी किया जिसमें अधिकारियों को तुरंत कार्यवाही करने को कहा गया। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि "सुनामी से जुड़ी जानकारी जनता को समय पर दी जाए और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएं।" साथ ही, स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करने और जानमाल की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है।

जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) ने होक्काइडो के पूर्वी प्रशांत तट और अन्य तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी जारी की है। एजेंसी ने नागरिकों से अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर लहरों की अनुमानित ऊंचाई और पहुंचने के समय की जानकारी देखने को कहा है। उधर रूस और उसके पड़ोसी देशों में भी आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं लेकिन पूरी सतर्कता बरतें और केवल विश्वसनीय स्रोतों से मिली आधिकारिक जानकारी का ही पालन करें।

इस समय पूरे प्रशांत क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है और आपात टीमें सक्रिय रूप से स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए सभी संबंधित देशों ने आपसी समन्वय बढ़ा दिया है ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

चौकस निगाहों वाले रक्षक: भारत को जिन पर गर्व है

जब भी देश की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता की बात होती है, तो सबसे पहले ज़हन में हमारे वीर सुरक्षा बलों की तस्वीर उभरती है। सीमाओं से लेकर सड़कों तक, बर्फ़ीली चोटियों से लेकर सघन जंगलों तक और समुद्र की लहरों से लेकर आसमान की ऊँचाइयों तक – हमारे सुरक्षा बल हर चुनौती को सीना तानकर सामना करते हैं। उनकी चौकस निगाहें, सतर्क कदम और बेमिसाल कुर्बानियाँ ही वो मजबूत दीवार हैं जो देश को हर विपत्ति से बचाती हैं। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। देश के भीतर जहां आतंकवाद, उग्रवाद, तस्करी और साइबर क्राइम जैसी चुनौतियाँ हैं, वहीं सीमाओं पर पाकिस्तान, चीन जैसे देशों से लगातार खतरा बना रहता है। इन सबके बावजूद भारतीय सेना, वायुसेना, नौसेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस बल और खुफिया एजेंसियाँ दिन-रात मुस्तैदी से डटी हुई हैं। उनकी वजह से ही मक़सद होता है – देशवासियों की सुरक्षा। कारगिल युद्ध से लेकर पुलवामा हमले के जवाब तक, उड़ी सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयरस्ट्राइक तक, भारत के सुरक्षा बलों ने ये साफ़ कर दिया कि देश की संप्रभुता पर किसी भी प्रकार की चोट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारे सैनिकों का साहस, समर्पण और अनुशासन ही है, जिसने भारत को न केवल मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। सुरक्षा बलों की चौकसी केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहती। देश के भीतर किसी भी आपदा, आतंकवादी हमले, प्राकृतिक विपदा या चुनाव जैसे बड़े आयोजन में भी उनकी भूमिका निर्णायक रहती है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब आम जनजीवन थम-सा गया था, तब पुलिस बलों और अर्धसैनिक बलों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद की, कानून व्यवस्था बनाए रखी और ज़रूरतमंदों तक राहत पहुँचाई। देश की सुरक्षा के लिए तैनात जवानों की ज़िन्दगी त्याग और तपस्या से भरी होती है। वे महीनों तक अपने परिवार से दूर रहते हैं, त्योहारों पर भी ड्यूटी निभाते हैं और कई बार तो बर्फ़बारी, बारिश या तूफान में भी पोस्ट पर तैनात रहते हैं। उनका यह समर्पण भाव ही है जो हर भारतीय को गर्व से भर देता है। हर साल जब 26 जनवरी की परेड या 15 अगस्त का झंडारोहण होता है, तो देशभक्ति के जज़्बे के साथ-साथ सुरक्षा बलों की वीरता को भी सलाम किया जाता है। उनके शानदार मार्च, अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन और शौर्य पदकों से सम्मानित जवानों की कहानियाँ हर देशवासी के दिल में विश्वास और गर्व का भाव भर देती हैं। आज जब देश आधुनिक तकनीक और स्मार्ट डिफेंस सिस्टम की ओर बढ़ रहा है, तब भी इंसानी निगाहों की चौकसी और दिलों में बसी देशभक्ति की भावना ही असली ताक़त है। भारतीय सुरक्षा बल इस बात के उदाहरण हैं कि कैसे अनुशासन, समर्पण और सतर्कता से कोई भी खतरा टाला जा सकता है। देश को अपने सुरक्षाकर्मियों पर गर्व है, और हमेशा रहेगा। उनके बिना आज़ादी का अर्थ अधूरा है। ये वो सिपाही हैं जो न सोते हैं, न थकते हैं, बस देश की रक्षा के लिए दिन-रात एक किए रहते हैं।

व्यापार समझौता: अमरीका की 'अधिक रियायतें, कम प्रतिबद्धताएं' नीति और भारत के समक्ष खड़ी चुनौतियां

-ट्रंप युग में बदली व्यापार रणनीति ने भारत-अमरीका संबंधों को कैसे प्रभावित किया?

21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्यापार समझौते किसी भी राष्ट्र की कूटनीतिक और आर्थिक नीति के अहम स्तंभ बन गए हैं। अमरीका लंबे समय से 'प्रोटेक्शनिज्म' यानी संरक्षणवादी नीतियों को अपनाता रहा है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद इस नीति को और अधिक आक्रामक रूप में अपनाया गया। "अमरीका फर्स्ट" की नीति के तहत ट्रंप प्रशासन ने व्यापार समझौतों को दोतरफा दबाव की रणनीति बना दिया है, जिसमें अन्य देशों से अधिकाधिक रियायतें लेना और बदले में बहुत कम देना मुख्य उद्देश्य है। भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक संबंध भी इस रणनीति से अछूते नहीं रहे। जहां एक ओर भारत दुनिया की सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था बन चुका है, वहीं दूसरी ओर अमरीका अपने व्यापार घाटे को कम करने और घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए आक्रामक नीति अपना रहा है। इस लेख में हम भारत के सामने खड़ी चुनौतियों, ट्रंप की व्यापार नीति, द्विपक्षीय तनाव, जीएसपी से भारत की निकासी और भविष्य की संभावनाओं का विस्तृत विश्लेषण करेंगे।

अमरीका की व्यापार नीति में बदलाव: ट्रंप युग की शुरुआत

डोनाल्ड ट्रंप ने 2017 में अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली और पहले ही दिन से व्यापारिक समझौतों को पुनः परिभाषित करने की बात कही। ट्रंप की सोच स्पष्ट थी — "अमरीका को लाभ हो, बाकी सब बाद में।"

प्रमुख बदलाव:

बहुपक्षीय समझौतों का विरोध: ट्रंप ने TPP (Trans-Pacific Partnership) से अमरीका को बाहर निकाला। NAFTA का पुनः अनुबंध: मेक्सिको और कनाडा के साथ हुआ समझौता अब USMCA (United States-Mexico-Canada Agreement) बना। चीन के साथ ट्रेड वॉर: चीन पर भारी टैरिफ लगाए गए और व्यापार घाटा कम करने की कोशिश की गई। भारत पर नजर: भारत को भी "टैरिफ किंग" कहा गया, और निशाने पर रखा गया।

भारत-अमरीका व्यापारिक रिश्तों की पृष्ठभूमि

भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक संबंध दशकों से मजबूत रहे हैं। खासकर 1991 के उदारीकरण के बाद भारत ने वैश्विक बाजार के लिए अपने दरवाजे खोले और अमरीका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर उभरा।

व्यापारिक आंकड़े (ट्रंप काल के दौरान):

भारत का अमरीका को निर्यात (2019): लगभग $54 अरब

अमरीका से भारत का आयात (2019): लगभग $35 अरब

व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में

ट्रंप प्रशासन इसी व्यापार असंतुलन को "असमान" और "अमरीका के लिए हानिकारक" मानता रहा।

जीएसपी (Generalized System of Preferences) से भारत की निकासी

भारत को 1970 के दशक से जीएसपी का लाभ मिला हुआ था, जिसके तहत भारतीय उत्पादों को अमरीकी बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच हासिल थी।

ट्रंप का कदम:

2019 में अमरीका ने भारत को जीएसपी सूची से बाहर कर दिया। इसका मुख्य कारण अमरीका के अनुसार:

भारत का "अपर्याप्त बाजार पहुंच" देना

अमरीकी चिकित्सा उपकरणों, डेयरी और ई-कॉमर्स कंपनियों पर भारत की नीतियां

भारत पर प्रभाव:

$6 अरब से अधिक के निर्यात पर प्रतिकूल असर

छोटे एवं मध्यम उद्योग विशेष रूप से प्रभावित हुए

कूटनीतिक दबाव का बढ़ना

ट्रंप का दबाव: भारत पर किन मुद्दों पर था ज़ोर

चिकित्सा उपकरणों पर मूल्य नियंत्रण

भारत ने स्टेंट और नी रिप्लेसमेंट जैसे उपकरणों की कीमत पर नियंत्रण लगाया। इससे अमरीकी कंपनियों को भारी नुकसान हुआ। ट्रंप प्रशासन ने इसे "व्यापार में बाधा" बताया।

ई-कॉमर्स नियम

भारत में लागू नए नियमों के तहत अमेज़न और वॉलमार्ट जैसी कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर अपने खुद के प्रोडक्ट्स बेचने की छूट सीमित कर दी गई। ट्रंप ने इसे अमरीकी निवेश के खिलाफ बताया।

डेटा लोकलाइजेशन

भारत ने कुछ डेटा भारत में ही रखने की नीति अपनाई, जिससे अमरीकी टेक कंपनियों को परेशानी हुई। अमरीका चाहता था कि डेटा पर कोई नियंत्रण न हो।

हाई टैरिफ का विरोध

ट्रंप ने भारत को "टैरिफ किंग" कहकर बार-बार आलोचना की। विशेष रूप से मोटरसाइकिल (हार्ले डेविडसन) पर 100% टैरिफ का ज़िक्र किया।

भारत की जवाबी रणनीति

भारत ने पूरी तरह आत्मसमर्पण नहीं किया, बल्कि संतुलन बनाने की कोशिश की।

भारत के कदम: विवादित टैरिफ को कुछ हद तक घटाया, जैसे हार्ले डेविडसन पर टैक्स 50% किया गया, अमरीकी उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाया, जैसे कि बादाम, अखरोट, और सेब, व्यापार समझौते की बातचीत को जारी रखा, लेकिन अपनी शर्तों के साथ, बहुपक्षीय मंचों पर सक्रियता बढ़ाई, जैसे WTO, RCEP में भागीदारी

व्यापक व्यापार समझौता: क्यों नहीं बन पाया?

ट्रंप प्रशासन भारत के साथ एक सीमित व्यापार समझौते की बात कर रहा था जिसमें:

भारत अमरीकी चिकित्सा उपकरणों और कृषि उत्पादों को अधिक पहुंच दे

बदले में अमरीका कुछ टैरिफ कम करे

लेकिन भारत की चिंताएं:

इससे घरेलू उद्योगों पर बुरा असर पड़ सकता था

अमरीका की मांगें लगातार बदल रही थीं

रणनीतिक संतुलन भी जरूरी था (चीन, रूस, यूरोप से संबंध)

इस वजह से कोई औपचारिक समझौता नहीं हो पाया।

भू-राजनीतिक दबाव और रक्षा समझौते

हालांकि व्यापारिक विवाद जारी रहे, पर दोनों देशों ने रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत किया।

प्रमुख घटनाएं:

BECA (Basic Exchange and Cooperation Agreement) पर हस्ताक्षर

2+2 डायलॉग की निरंतरता

QUAD (अमरीका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया) में सक्रिय भागीदारी

भारत को S-400 रक्षा प्रणाली खरीदने पर अमेरिकी धमकी, पर भारत अड़ा रहा

इन पहलुओं ने दिखाया कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को व्यापारिक दबाव के आगे बलिदान नहीं देगा।

चुनौतियाँ जो भारत के सामने हैं

कूटनीतिक संतुलन बनाना

भारत को एक साथ अमरीका, रूस, चीन और यूरोपीय संघ से अपने रिश्ते संतुलित रखने हैं। अमरीकी दबाव के बीच स्वतंत्र निर्णय लेना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

घरेलू उद्योग की सुरक्षा बनाम मुक्त व्यापार

भारत को यह तय करना है कि वह अपने छोटे उद्योगों की रक्षा कैसे करे जबकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था और डेटा नीति

भारत को अपनी साइबर और डेटा नीति बनानी है जो निवेश को आकर्षित भी करे और डेटा संप्रभुता भी बचाए। अमरीका इस मोर्चे पर लगातार दबाव बना रहा है।

स्वदेशीकरण की नीति बनाम विदेशी निवेश

'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के चलते भारत घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है, पर अमरीकी कंपनियां खुला बाजार चाहती हैं।

आगे का रास्ता और संभावनाएं

नई अमेरिकी सरकार का रुख

ट्रंप के बाद बाइडन प्रशासन का रुख थोड़ा नरम रहा है, लेकिन व्यापारिक मूलभूत मुद्दे वही हैं। भारत के लिए ज़रूरी है कि वह संबंधों को बहुपक्षीय बनाए।

सेक्टर आधारित समझौते

पूरे व्यापार समझौते के बजाय छोटे-छोटे सेक्टर आधारित समझौते (Mini Deals) अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मंचों का बेहतर उपयोग

भारत को WTO, BRICS, SCO, ASEAN जैसे मंचों पर अधिक मजबूती से अपनी बात रखनी चाहिए ताकि वैश्विक समर्थन मिले। भारत को ऐसी नीति बनानी होगी जो वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करे, लेकिन अपनी संप्रभुता और घरेलू हितों से समझौता न हो। ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति ने भारत-अमरीका संबंधों में अस्थिरता और तनाव को जन्म दिया। अमरीका ने "अमरीका फर्स्ट" के नाम पर रियायतें हासिल करने का प्रयास किया और भारत जैसे देशों पर दबाव डाला। लेकिन भारत ने संतुलन बनाकर अपनी स्वायत्त नीति को बनाए रखा। आज के दौर में व्यापार केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक, सामरिक और तकनीकी पक्षों से भी जुड़ा हुआ है।

"बाघ: भारत की शक्ति, गरिमा और प्राकृतिक संतुलन का प्रतीक"

-संरक्षण में विश्व की अगुवाई करता देश

बाघ, जिसे जंगल का राजा कहा जाता है, केवल एक पशु नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का गौरव है। यह शक्ति, आत्मविश्वास, गरिमा और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। भारतीय जनमानस में बाघ का स्थान सदियों से विशेष रहा है। चाहे वह धार्मिक कथाएं हों या लोककथाएं, चित्रकला हो या साहित्य — बाघ ने हमेशा लोगों की कल्पना और सम्मान को आकर्षित किया है। आज जब विश्व भर में जैव विविधता संकट में है, भारत बाघों के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरा है। 21वीं सदी की शुरुआत में जब बाघों की संख्या तेजी से गिर रही थी, तब भारत ने कठोर नीतियों, जनसहयोग और वैज्ञानिक तरीकों से बाघों की रक्षा का जो मॉडल प्रस्तुत किया, वह पूरे विश्व के लिए एक आदर्श बन गया।

भारत में बाघ का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व

भारत में बाघ को देवी-देवताओं के वाहन के रूप में दर्शाया गया है। देवी दुर्गा को बाघ पर सवार दिखाया जाता है, जिससे यह शक्ति और साहस का प्रतीक बनता है। बाघ को स्थानीय जनजातियों और ग्रामीण समाज में एक 'स्वाभाविक राजा' के रूप में देखा जाता है, जिससे जंगल के अन्य प्राणी संतुलन में रहते हैं। लोककथाओं और दंतकथाओं में बाघ को कभी न्यायप्रिय शासक तो कभी चालाक शिकारी के रूप में दिखाया गया है। इन कहानियों ने आम लोगों के मन में बाघ के प्रति भय के साथ-साथ सम्मान का भाव भी उत्पन्न किया है।

बाघ का पारिस्थितिकीय महत्व

बाघ पारिस्थितिकीय पिरामिड की शीर्ष कड़ी है। इसका मुख्य शिकार हिरण, नीलगाय, जंगली सूअर आदि होते हैं। यदि बाघ की संख्या कम होती है, तो शाकाहारी पशुओं की संख्या अनियंत्रित होकर वनस्पति को नष्ट कर देती है और पूरा खाद्य श्रृंखला गड़बड़ा जाती है। इसलिए बाघों की मौजूदगी एक स्वस्थ और संतुलित जंगल की निशानी होती है। इसका मतलब है कि जहां बाघ है, वहां पूरा पारिस्थितिक तंत्र जीवंत है।

भारत में बाघों की स्थिति: एक

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

20वीं सदी की शुरुआत में भारत में हजारों की संख्या में बाघ थे। लेकिन अंधाधुंध शिकार, जंगलों की कटाई, मानव-बाघ संघर्ष और अवैध व्यापार ने इनकी संख्या में भारी गिरावट लाई। 1970 तक भारत में बाघों की संख्या घटकर केवल 1,800 के आसपास रह गई थी। यह स्थिति चिंताजनक थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1973 में "प्रोजेक्ट टाइगर" की शुरुआत की, जो भारत में बाघ संरक्षण का पहला संगठित और वैज्ञानिक प्रयास था।

प्रोजेक्ट टाइगर: एक क्रांतिकारी पहल

प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत 9 रिज़र्व क्षेत्रों से हुई थी। इसका उद्देश्य था — बाघों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार करना, उनके आवासों की रक्षा करना और मानव हस्तक्षेप को कम करना। आज यह संख्या बढ़कर 50 से अधिक टाइगर रिज़र्व तक पहुँच चुकी है।

प्रोजेक्ट टाइगर के प्रमुख लक्ष्य थे:

बाघों की गिरती संख्या पर रोक लगाना

उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना

स्थानीय समुदाय को जागरूक करना और उन्हें संरक्षण में भागीदार बनाना

वैज्ञानिक सर्वेक्षण और निगरानी तंत्र को विकसित करना

बाघों की वर्तमान संख्या: एक उपलब्धि

भारत सरकार द्वारा हर चार साल में कराए जाने वाले अखिल भारतीय बाघ आकलन (All India Tiger Estimation) के अनुसार, वर्ष 2006 में बाघों की संख्या मात्र 1,411 रह गई थी। इसके बाद निरंतर प्रयासों से 2010 में यह बढ़कर 1,706 हुई, 2014 में 2,226, 2018 में 2,967 और 2022-23 में यह संख्या बढ़कर 3,682 तक पहुँच गई। यह न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गर्व का विषय है, क्योंकि आज विश्व के कुल बाघों में लगभग 75% भारत में हैं।

सफलता के पीछे की रणनीतियाँ

भारत की बाघ संरक्षण रणनीति बहुस्तरीय रही है:

बाघ रिज़र्व की स्थापना और विस्तार

भारत के लगभग 18 राज्यों में फैले 50+ टाइगर रिज़र्व, बाघों के लिए सुरक्षित क्षेत्र बन चुके हैं। इनमें से कुछ प्रमुख हैं — कॉर्बेट, बांधवगढ़, काजीरंगा, सुंदरबन, रणथंभौर, पेंच, कान्हा, और नागरहोल।

स्मार्ट तकनीकों का इस्तेमाल

कैमरा ट्रैप, GPS कॉलर, ड्रोन निगरानी, AI-आधारित ट्रैकिंग सिस्टम और DNA विश्लेषण जैसे तकनीकी उपायों से बाघों की निगरानी और संरक्षण में बड़ा योगदान मिला है।

समुदाय आधारित संरक्षण

स्थानीय समुदायों को संरक्षण में भागीदार बनाना एक महत्वपूर्ण पहल रही है। इन्हें प्रशिक्षण, वैकल्पिक आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ देकर बाघों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया गया है।

सख्त कानून और निगरानी

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972, बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की स्थापना, और वन अपराधों पर कड़ी निगरानी ने शिकार और तस्करी पर लगाम लगाई है।

चुनौतियाँ अब भी शेष हैं

हालांकि भारत बाघ संरक्षण में अग्रणी है, लेकिन अभी भी कई चुनौतियाँ बरकरार हैं:

मानव-बाघ संघर्ष: बाघों का प्राकृतिक क्षेत्र सिकुड़ने से वे आबादी वाले क्षेत्रों में आ रहे हैं, जिससे संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आवासों का विखंडन: विकास परियोजनाएं जैसे सड़क, रेल, खनन आदि बाघों के गलियारों को काट रही हैं। जलवायु परिवर्तन: बदलती जलवायु विशेषकर सुंदरबन जैसी जगहों में बाघों के जीवन पर असर डाल रही है। अवैध शिकार और तस्करी: आज भी अंतरराष्ट्रीय अवैध वन्यजीव व्यापार बाघों के अंगों की भारी मांग करता है।

वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका

भारत ने न केवल अपने देश में बाघों को बचाया है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी बाघ संरक्षण को प्रमुखता दी है। सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट 2010 में भारत की भागीदारी और 'TX2' लक्ष्य (वर्ष 2022 तक बाघों की संख्या दोगुनी करना) की दिशा में उसकी प्रगति को विश्वभर ने सराहा। भारत अन्य देशों को तकनीकी सहायता, डेटा साझाकरण और प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। नेपाल, भूटान, रूस, बांग्लादेश और मलेशिया जैसे देशों के साथ सहयोग की पहल इसकी मिसाल है।

आम नागरिक की भूमिका

बाघों की रक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, इसमें आम नागरिकों की भागीदारी भी आवश्यक है। यदि हम जंगलों को सुरक्षित रखें, बाघों के गलियारों को संरक्षित करें, वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनें और अवैध व्यापार की सूचना दें — तो हम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आजकल 'इको-टूरिज़्म' और 'प्राकृतिक पर्यटन' के माध्यम से भी लोग बाघों के संरक्षण के प्रयासों में भागीदार बन रहे हैं। इससे न केवल स्थानीय समुदाय को रोजगार मिलता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति चेतना भी बढ़ती है।

"अल्लामा फज़ल-ए-हक़ खैराबादी: भारत में पहला मुस्लिम फतवा देने वाले जांबाज़ क्रांतिकारी"

-फतवे से शुरू हुई बग़ावत: भारत के पहले मुस्लिम क्रांतिकारी का इतिहास

भारत की आज़ादी की लड़ाई में जितनी भूमिका तलवार और बंदूक की थी, उतनी ही अहम कलम और विचार की भी रही है। 1857 की पहली जंग-आज़ादी ने भारत की ज़मीन पर ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति की चिंगारी फैलाई। इस क्रांति में कई बड़े नाम सामने आते हैं – बहादुर शाह ज़फ़र, तात्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हज़रत महल – लेकिन एक नाम जिसे अक्सर भुला दिया जाता है, वह है अल्लामा फज़ल-ए-हक़ खैराबादी का। वह न सिर्फ एक महान इस्लामी विद्वान, शायर और लेखक थे, बल्कि भारत के पहले मुस्लिम व्यक्ति थे जिन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ फतवा-ए-जिहाद जारी किया। उनका ये फतवा 1857 की क्रांति में एक प्रेरणा बना और हज़ारों मुसलमानों ने इसे अपने दीन और वतन की हिफ़ाज़त का फ़र्ज़ समझा।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

अल्लामा फज़ल-ए-हक़ खैराबादी का जन्म 1797 में उत्तर प्रदेश के खैराबाद (जिला सीतापुर) में एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ। उनके वालिद मौलवी फज़ल इमाम खैराबादी भी एक जाने-माने आलिम-ए-दीन थे। अल्लामा साहब बचपन से ही बेहद ज़हीन और होशियार थे। उन्होंने मात्र 13 साल की उम्र में अरबी, फ़ारसी, हदीस, तफ़सीर, तर्कशास्त्र और दर्शनशास्त्र में महारत हासिल कर ली थी। उन्होंने दिल्ली, लखनऊ और अन्य प्रमुख स्थानों में इस्लामी तालीम और दार्शनिक विषयों का प्रचार-प्रसार किया।

दिल्ली दरबार और बादशाहत से नज़दीकी

अल्लामा खैराबादी की विद्वता और इल्मी रुतबे के कारण उन्हें दिल्ली दरबार में एक अहम स्थान मिला। मुग़ल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र के वह बेहद क़रीबी सलाहकार बन गए। साथ ही वह निज़ाम हैदराबाद के भी इल्मी सलाहकार रहे। उनकी शायरी और साहित्य में गहरी रुचि थी। उन्होंने उर्दू, अरबी और फ़ारसी भाषा में कई किताबें लिखीं।

1857 की क्रांति और फतवा-ए-जिहाद

1857 में जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ पूरे भारत में बग़ावत फूटी, तब अल्लामा खैराबादी ने न सिर्फ इसका खुला समर्थन किया, बल्कि इस्लामी नज़रिए से अंग्रेज़ों के खिलाफ 'जिहाद' का ऐलान किया। उन्होंने बाक़ायदा फतवा-ए-जिहाद जारी किया जिसमें उन्होंने अंग्रेज़ों की सत्ता को "इस्लाम और मुल्क दोनों के लिए ख़तरा" बताया। इस फतवे ने उत्तर भारत में मुसलमानों को अंग्रेज़ों के खिलाफ खड़े होने की वैचारिक शक्ति दी। यह भारत के इतिहास में पहला मुस्लिम फतवा था जो ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जारी हुआ। इस फतवे पर कई प्रमुख उलेमा और मुस्लिम रहनुमाओं ने दस्तख़त किए थे।

फतवे का प्रभाव

अल्लामा खैराबादी का फतवा 1857 की क्रांति में एक आग की तरह फैल गया। उन्होंने लखनऊ, दिल्ली, फ़ैज़ाबाद और कानपुर के क्रांतिकारियों को इस्लामी दृष्टिकोण से अंग्रेज़ों के खिलाफ संघर्ष का धार्मिक आधार प्रदान किया। उनके फतवे ने आम मुसलमानों को क्रांति में भाग लेने की वैचारिक ज़मीन दी। अंग्रेज़ों ने इस फतवे को बग़ावत का एक बड़ा स्रोत माना और इसकी वजह से अल्लामा खैराबादी को "ब्रिटिश सत्ता का दुश्मन नंबर एक" करार दिया गया।

गिरफ़्तारी और मुक़दमा

1857 की क्रांति के असफल हो जाने के बाद अंग्रेज़ों ने अल्लामा खैराबादी को गिरफ़्तार कर लिया। उन पर देशद्रोह और फतवा जारी कर क्रांति भड़काने का आरोप लगा। अदालत में जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने फतवा जारी किया, तो उन्होंने कहा: "हाँ, मैंने फतवा जारी किया। मैंने इसे कलम से लिखा, दिल से महसूस किया और ज़ुबान से स्वीकार किया। और अगर हज़ार बार भी ऐसा मौका मिले तो मैं फिर यही करूँगा।" उनके इस जज़्बे और बेबाक़ी ने अंग्रेज़ जजों को भी हिला दिया।

काले पानी की सज़ा

1861 में उन्हें काला पानी की सज़ा देकर अंडमान निकोबार भेज दिया गया। यह सज़ा उन लोगों को दी जाती थी जिन्हें ब्रिटिश शासन "ख़तरनाक देशद्रोही" मानता था। अल्लामा खैराबादी को अंडमान की सेल्यूलर जेल में रखा गया, जहाँ उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गईं। लेकिन उन्होंने वहां भी अपने इल्मी काम को नहीं छोड़ा। उन्होंने जेल में रहते हुए अरबी और फ़ारसी में कई धार्मिक किताबें लिखीं, जिन्हें आज भी इस्लामी अध्ययन में पढ़ाया जाता है।

वफ़ात और विरासत

26 दिसंबर 1861 को अंडमान की जेल में ही अल्लामा खैराबादी ने अंतिम सांस ली। उनकी क़ब्र अंडमान निकोबार द्वीप में ही स्थित है, जो आज़ादी के दीवानों की मज़ार बन चुकी है।

अल्लामा खैराबादी की रचनाएँ

अल्लामा साहब ने अपने जीवन में कई अहम किताबें लिखीं जिनमें शामिल हैं –

तौहीद-ए-ख़ालिस

अल-मौक़िफ़

नशात-उल-ख़ातिर

दीवान-ए-फ़ज़ल-ए-हक़

इनकी कई किताबें दारुल उलूम देवबंद और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जाती हैं।

उनका प्रभाव और आज का समय

आज जब हम भारत की आज़ादी की बात करते हैं, तो ज़रूरी है कि धार्मिक नेताओं की भूमिका को भी याद करें। अल्लामा फज़ल-ए-हक़ खैराबादी सिर्फ एक धार्मिक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि वह उन चंद लोगों में थे जिन्होंने अंग्रेज़ी सत्ता को धार्मिक, राजनीतिक और नैतिक दृष्टि से चुनौती दी। उनका दिया गया फतवा न केवल धार्मिक आधार था, बल्कि एक राजनीतिक क्रांति का घोषणापत्र था। अल्लामा फज़ल-ए-हक़ खैराबादी की ज़िंदगी हमें सिखाती है कि जब किसी कौम की आज़ादी दांव पर हो, तब कलम, ज़बान और इल्म को हथियार बनाना चाहिए। आज़ादी की लड़ाई में जिन व्यक्तित्वों को इतिहास ने दरकिनार कर दिया, उन्हें फिर से ज़िंदा करना हमारा फ़र्ज़ है। अल्लामा खैराबादी जैसे महान क्रांतिकारियों को याद कर हम अपने आने वाली नस्लों को सिखा सकते हैं कि किसी भी इंकलाब की शुरुआत सबसे पहले विचार से होती है। अल्लामा फज़्ल-ए-हक़ खैराबादी भारत के पहले मुस्लिम विद्वान थे जिन्होंने 1857 की आज़ादी की पहली जंग के दौरान अंग्रेज़ों के खिलाफ बाकायदा फतवा-ए-जिहाद जारी किया। वह न सिर्फ एक प्रसिद्ध इस्लामी आलिम थे, बल्कि एक क्रांतिकारी विचारक, शायर और लेखक भी थे।

आमजन किसी भी आपदा की स्थिति में बाढ़ नियंत्रण कक्ष में तुरंत करें सूचित - भजनलाल शर्मा

-आपदा की स्थिति में राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1070 तथा 112 एवं जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1077 पर करें संपर्क

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हो रही निंरतर बारिश के चलते अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम करते हुए राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम करें जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री की अपील आमजन बारिश में बरतें विशेष सावधानी-

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन पूरी सक्रियता से काम करे। शर्मा ने प्रदेशवासियों से बारिश के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए भी पूरी तरह सतर्क रहें। बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और तेज बहाव वाले नदी-नालों को पार करने से बचें। साथ ही, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। किसी भी तरह की आपदा की स्थिति में तुरंत कंट्रोल रूम को जानकारी दें जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आपदा राहत प्रबंधन की बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रही निरंतर बारिश के चलते अधिकतर बांध, नदियां, तालाब और जलाशय लबालब भर चुके हैं। ऐसे में अधिकारी इनके जल स्तर संबधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों को सूचीबद्ध कर कार्मिक नियुक्त करें तथा उन क्षेत्रों की विशेष निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार चेतावनी बोर्ड लगाकर किसी भी तरह की दुर्घटना से रोका जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगार्ड के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें तथा आमजन की आवाजाही को ऐसे स्थानों पर निषेध किया जाए। साथ ही, रपट जैसे स्थानों पर पानी चलने के दौरान अस्थायी चौकी लगाकर वाहनों का आवागमन रोका जाए।

प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधन एवं सेवाएं रखें सुचारू- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1070 तथा 112 एवं जिला स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1077 का चौबीसों घंटे संचालन किया जा रहा है। अधिकारी कंट्रोल रूम में आई शिकायतों पर त्वरित एक्शन लेते हुए आमजन को शीघ्र राहत पहुंचाएं। उन्होंने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने तथा वहां शुद्ध पेयजल के साथ नियमित सफाई भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए। जलभराव क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को पेयजल-खाद्य सामग्री सहित जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों पर मौसमी बीमारियों की रोकथाम, दवाईयों की पर्याप्त आपूर्ति, अस्पतालों में आपातकालीन चिकित्सा सहायता जैसे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम से जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंची-जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की शुरुआत यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 में की थी। इससे आकांक्षी ब्लॉकों के चहुंमुखी विकास को गति देने एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया गया। चौधरी बुधवार को टोंक स्थित कृषि ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय संपूर्णता अभियान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जिले के आकांक्षी ब्लॉक पीपलू में महिला एवं बाल विकास में गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं कृषि विभाग के मृदा स्वास्थ्य कार्ड के निर्धारित पैरामीटर को नियत समय पर शत प्रतिशत प्राप्त करने पर अभियान से जुड़े फ्रंटलाइन वर्करर्स को बधाई दी।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के पिछड़े जिलों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रारंभ किये है। इसी वर्ष गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना के अंतर्गत राज्य के प्रत्येक जिले से एक ब्लॉक का चयन किया गया है। जिले से ब्लॉक उनियारा का चयन किया गया है। इससे क्षेत्र के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, कृषि एवं संबद्ध सेवायें, आधारभूत संरचना, कौशल विकास एवं सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में विकास को गति मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने देश में अपनी तरह की पहली पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू की है। इसमें बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने का काम किया जा रहा है। किसान सम्मान निधि के तहत 76 लाख किसानों को 6 हजार 845 करोड़ रुपये की राशि हंस्तारित की गई है और 34 हजार 575 करोड़ रुपये के अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण वितरित किये गए है। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अपात्र लोगों को हटाकर जरूरतमंद लोगों को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना से उनियारा के अंतिम पायदान के व्यक्ति को राहत मिल सकेगी। साथ ही, क्षेत्र का समावेशी विकास हो सकेगा। निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री अवार्ड के चयन के लिए दूसरे चरण में पीपलू ब्लॉक को भारत के शीर्ष 15 आकांक्षी ब्लॉकों में शामिल होना एवं राज्य में अग्रणी तीन जिलों में स्थान प्राप्त करना गर्व की बात है।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले फ्रंट लाइन वर्कर को माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला प्रमुख श्रीमती सरोज बंसल समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

भजनलाल शर्मा ने जयपुर शहर का किया सघन निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार शाम को जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों का लगभग ढाई घण्टे सघन निरीक्षण कर बारिश से उत्पन्न स्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने बी-टू बाईपास रोड़, सांगानेर, सुमेर नगर, सूरजमल सर्किल, मुहाना मंडी, चौरडिया पेट्रोल पंप पर रुककर जलभराव, क्षतिग्रस्त सड़कों, गड्ढ़ों एवं ड्रेनेज सिस्टम से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। शर्मा ने बी-टू बाईपास रोड़ के पास द्रव्यवती नदी का अवलोकन किया और घने वृक्षों की छंटाई तथा नालों के फेरो कवर की मरम्मत करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कच्ची बस्ती के लोगों एवं बच्चों से बातचीत की और अधिकारियों को निचले क्षेत्रों में जल निकासी तथा आपात स्थिति में वहां के निवासियों के लिए भोजन व पेयजल की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने सांगानेर स्थित कैम्प कार्यालय में लोगों से मुलाकात की और शहर के जलभराव वाले स्थानों के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मुहाना मंडी चौराहे पर पहुंचकर जायजा लिया और अधिकारियों को चौराहे पर सर्कल निर्माण के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने महाराजा सूरजमल सर्किल व केसर नगर चौराहे पर क्षतिग्रस्त सड़कों के शीघ्र मरम्मत कार्यों के निर्देश दिए।

ग्रेटर निगम आयुक्त ने ली 3 घंटे की मैराथन बैठक

-सारी मशीनरी दुरुस्त रखने एवं कार्मिकों को 24 घंटे एक्टिव रहने के निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आयुक्त नगर निगम ग्रेटर जयपुर डॉ॰ गौरव सैनी ने भारी बारिश के बीच शहर की व्यवस्था सुचारू रखने के उद्देश्य से बुधवार को निगम मुख्यालय में निगम अधिकारियों की 3 घंटे की मैराथन बैठक लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निगम के सभी संसाधनों को दुरूस्त रखने एवं हर परिस्थिति से निपटने के लिए सुचारू रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्मिकों को हर समय एक्टिव मोड पर रहने तथा 24 घंटे फोन चालू रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सीएसआई, गैराज शाखा, इंजीनियरिंग विंग सभी संसाधनों के साथ भारी बारिश से पैदा होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि वर्तमान परिस्थितियों में जो कार्मिक गंभीर कारणों से एपीओ नहीं किए गए हैं, ऐसे कार्मिकों को फिल्ड में लगाया जाए।

जर्जर भवनों की पहचान करें, लोगों को दूर रखें- उन्होंने सभी उपायुक्तों को उनके क्षेत्र में स्थित सभी जर्जर भवनों को चिन्हित कर वहाँ चेतावनी बोर्ड लगवाने और आमजन को उन भवनों से दूर रखने की व्यापक व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने कहा है कि लोगों को इस बात के लिए जागरूक करें कि वे अपने आस-पास के जर्जर भवनों की सूचना निगम को दें।

साफ-सफाई व फोगिंग के निर्देश- आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि बरसात के दौरान जहाँ-जहाँ पानी जमा हो सकता है और मच्छर पैदा हो सकते हैं। उन स्थानों की नियमित सफाई होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि वे आमजन से भी घरों में जमा होने वाले बरसाती पानी की निकासी की सुचारू व्यवस्था करवाएँ। उन्होंने बरसात के बाद होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए मच्छरों के लार्वा पर नियंत्रण एवं नष्ट की कार्यवाही के लिए फोगिंग व अन्य उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पौधों की नियमित देखभाल हो- आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि निगम द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत अब तक लगाए गए 1 लाख 90 हजार पौधों एवं शेष लगाए जाने वाले 10 हजार पौधों सहित सभी पौधों की जियो टैगिंग करवाकर उनकी नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए ताकि इस अभियान के उद्देश्य को साकार किया जा सके।

आयुक्त ने लंबित विधानसभा प्रश्नों के जवाब समय पर तैयार करने, संपर्क पोर्टल दर्ज शिकायतों का समय पर निस्तारण करने एवं ई-फाइलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने यूडी टैक्स की वसूली के लिए नियमित कैंप लगाने, फायर एनओसी व ट्रेड लाइसेंस सहित विभिन्न प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान निगम के आला अधिकारी उपस्थित रहे।

डेयरी बूथ आवंटन पॉलिसी में संशोधन के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य में सरस डेयरी बूथ आवंटन को लेकर पॉलिसी में आवश्यक संशोधन किया जाएगा। इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। इस संबंध में शासन सचिवालय में बुधवार को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में डेयरी सेवाओं के विस्तार एवं बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया। पांच सदस्यीय कमेटी में पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, डीएलबी के निदेशक जुईकर प्रतीक चंद्रशेखर, नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, आरसीडीएफ एमडी श्रीमती श्रुति भारद्वाज, दुग्ध संघ, जयपुर के एमडी मनीष फौजदार को शामिल किया गया है। यह कमेटी बैठक में आए सुझावों के आधार पर प्रस्ताव तैयार करेगी।

बैठक में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत व अन्य अधिकारियों ने बूथ आवंटन नीति-2021 में संशोधन के सुझाव दिए। इनमें बूथ आवंटन हेतु आवेदन पत्र संबंधित जिला दुग्ध संघ में जमा कराने, नए डेयरी बूथों के स्थान आवंटन आरसीडीएफ/जिला दुग्ध संघ द्वारा गठित समिति द्वारा चिन्हित कर अंतिम सूची जारी करने जैसे सुझाव शामिल थे। इसके अलावा प्रस्तावित डेयरी बूथ के लिए उसी क्षेत्र के पांच किमी. की परिधि के स्थानीय निवासी को प्राथमिकता देने, सेवारत सेना के जवान के पारिवारिक सदस्य को आवेदन के लिए पात्र मानने संबंधी प्रस्ताव को नई नीति में शामिल करने का सुझाव दिया गया।

नए सरस पार्लर खोलने की संभावनाएं तलाशेगा आरसीडीएफ-

बैठक के दौरान प्रदेश में नए सरस पार्लर खोलने के लिए आरसीडीएफ को संभावनाएं तलाशने का निर्देश दिया गया। इसके लिए सरकारी चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, शैक्षणिक संस्थाओं, बस स्टैंड तथा रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र में प्राथमिकता के आधार पर सरस पार्लर खोलने को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि नए सरस पार्लर खोलने से न केवल आरसीडीएफ की आय में बढोतरी होगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के उदेश्य से ही बजट घोषणा 2024-25 के तहत प्रदेशभर में 2500 नए सरस बूथ खोले जा रहे हैं। इसके तहत 2 हजार बूथों के लिए कुल 11 हजार 536 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से जांच के बाद 7 हजार 861 आवेदन पत्र आरसीडीएफ द्वारा अनुमोदित कर संबंधित निकायों को प्रेषित किए गए हैं। इसके अलावा विगत वर्षों के पैंडिंग 500 बूथों का निस्तारण स्थानीय निकाय स्तर पर लंबित है। इस प्रकार कुल 8 हजार 361 लंबित आवेदन पत्रों का जल्द से जल्द निस्तारण कर लॉटरी के जरिए कुल 2500 बूथों के आवंटन के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इसके अलावा प्रदेश में मोबाइल बूथों के संचालन को लेकर स्थानीय निकाय से वेंडिग जोन निर्धारित करने के लिए नगर निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड, नेहरू बाल उद्यान, कमल एण्ड कम्पनी के सामने एवं त्रिवेणी पुलिया के पास से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में गांधी नगर मोड, नेहरू बाल उद्यान, कमल एण्ड कम्पनी के सामने एवं त्रिवेणी पुलिया के पास से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

राजस्थान ऊंट अधिनियम, 2015 के बनेंगे नियम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन विभाग, राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) अधिनियम, 2015 के नियम बनाएगा। इस संबंध में पशुपालन, गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में नियम बनाने को लेकर विभाग को निर्देश दिए गए। बैठक में पंचायतीराज और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी भी मौजूद थे। शासन सचिवालय में बुधवार को कुमावत के कक्ष में हुई बैठक में नए नियम बनाने को अंतिम रूप दिया गया। इसके तहत ऊंट पालकों को अन्य राज्यों में ऊंट चराने, डेयरी एवं कृषि कार्य तथा पशु मेलों में ले जाना आसान होगा। अधिनियम, 2015 के लिए नए नियम के मुताबिक ऊंट के परिवहन को लेकर जिला कलेक्टर के साथ-साथ अब सक्षम अधिकारी के रूप में एसडीएम को भी अधिकृत करने पर सहमति बनी। इस बैठक में ऊंट पालन को लाभप्रद बनाने को लेकर भी चर्चा हुई। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि अन्य राज्यों में ऊंट ले जाने को लेकर आ रही दिक्कतों को लेकर चर्चा के बाद प्रशासनिक अनुमति देने के लिए एसडीएम को भी अधिकार देने पर सहमति व्यक्त की गई है। इसके लिए प्रशासनिक स्वीकृति के लिए नई एसओपी भी जारी की जाएगी, ताकि ऊंट पालकों को अन्य राज्यों में ऊंट ले जाने में कानूनी पेचीदगियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा ऊंट पालन को और अधिक लाभप्रद बनाने के लिए आरसीडीएफ के माध्यम से ऊंटनी के दूध के विपणन को लेकर कार्ययोजना बनाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

भारी बारिश होने पर जलभराव पर जेडीए का एक्शन

-तेज बारिश से हुए जल भराव की समस्या का किया तत्काल निस्तारण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशन एवं नेतृत्व में बुधवार को भारी बारिश के बीच जयपुर विकास प्राधिकरण सुबह से ही अलर्ट मोड पर रहा। जेडीए की टीमें फील्ड में लगातार काम कर रही हैं जिससे शहर में जलभराव की समस्या से निपटा जा सके। प्रत्येक जोन स्तर पर अभियंताओं की टीमें पंपों से पानी निकालने और नालों पर जमे कचरे को हटाने में जुटी रही हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जेडीसी और निदेशक अभियांत्रिकी खुद स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए थे। जेडीए आमजन की सेवा में तत्पर है।

जेडीए आयुक्त आनंदी ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं माननीय नगरीय विकास मंत्री महोदय के निर्देशन में शहर में निरंतर हो रही भारी बारिश से प्रभावित प्रमुख सड़कों पर आवागमन में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए बुधवार सुबह हुई भारी वर्षा के तुरंत बाद जेडीए के समस्त अभियंताओं को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए गए। इन निर्देशों के क्रम में अभियंताओं ने तत्परता दिखाते हुए अपने-अपने क्षेत्र का निरीक्षण और मॉनिटरिंग की तथा जनहित एवं सुगम यातायात हेतु जल निकासी के त्वरित इंतजाम किए।

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण उत्पन्न हुई जलभराव की समस्या का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। इसके साथ ही, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत एवं जल भराव की समस्या के निस्तारण का कार्य भी युद्धस्तर पर जारी है। जयपुर में अत्यधिक बारिश के कारण उत्पन्न जलभराव की समस्या से निपटने के लिए जेडीए पूरी तरह सक्रिय है। प्राधिकरण की टीमें युद्धस्तर पर काम कर रही हैं, पंपों से पानी निकालने और सड़क का कचरा जो बॉक्स ड्रेन की ग्रेटिंग को रोक रहा है, उस कचरे को बारिश के दौरान ही हटाने का काम किया गया। शहर में जगह—जगह ट्रैक्टर ट्रॉली में डब्ल्यूएमएम, मोरम, मिट्टी के कट्टों से खड्डों को भरा जा रहा है।

जेडीए द्वारा जयपुर शहर में 30 से ज्यादा स्थानों पर बुधवार सुबह ही ही पंप लगवाकर तुरंत प्रभाव से जल निकासी करवाई गई। जिसके अंतर्गत कालवाड रोड, गांधी पथ वेस्ट, गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती, मीनावाला सिरसी रोड, रामपुरा रोड कल्याण नगर, सचिवालय विहार, शांति विहार, बृज विहार, वीआईटी रोड, मदरामपुरा कच्ची बस्ती, कालवाड रोड, निवारू रोड, आनंद लोक अंडरपास, तेजाजी मंदिर, बढारना सब्जी मंडी, वाटिका रोड, करणी पैलेस रोड, चित्रकूट पीआरएन पर जल निकासी करवाई गई।

अधिकांश अंडरपासों पर इस मानसून में जल भराव का सामना नहीं करना पड़ा। कुछ स्थानों पर समस्या उत्पन्न हुई, उन्हें तुरंत जल भराव से मुक्त किया गया।

इसके अतिरिक्त पानीपेच, कल्याण नगर अंडरपास, अर्जुन नगर अंडरपास, गोपालपुरा बाईपास, होटल पलक पैराडाईज, दादी का फाटक अंडरपास, बेनाड रोड, खिरणी फाटक, ट्रांसपोर्ट नगर अंडरपास से घाट की गुनी, बालाजी मोड से इंदिरा गांधी नगर के बीच जगतपुरा आरओबी के नीचे इत्यादि से कचरा हटाकर बुधवार सुबह ही तुरंत प्रभाव से जल निकासी सुनिश्चित की गई। नगर निगम कार्यालय, टोंक रोड पर पंप का उपयोग करके सड़क और नाली के खुले स्थानों से घास एवं कचरा, मलबा और अपशिष्ट पदार्थ को हटाया जाकर जल निकासी करवाई गई।

सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में निभाए भागीदारी - जोगाराम पटेल

-जोगाराम पटेल ने भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ मंडल अध्यक्षों का किया स्वागत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर, जयपुर उत्तर एवं जयपुर दक्षिण के जिला अध्यक्षों के साथ तीनों जिलों के मंडल अध्यक्षों का जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने भव्य स्वागत—अभिनंदन किया। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने संगठन पदाधिकारियों से संगठनात्मक परिचर्चा की। इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने परिचर्चा में सहभागिता कर संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता एवं आगामी कार्य योजनाओं को लेकर संवाद किया। भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि मजबूत संगठन ही मजबूत राष्ट्र का आधार है। ऐसे में हम सभी को मिलकर भाजपा को हर स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना है। मंडल अध्यक्ष सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में भी अपनी सहभागिता निभाए। पटेल ने कहा कि मंडल अध्यक्ष संगठन की अहम कड़ी होती हैं। मंडल अध्यक्षों के स्वागत की इस कड़ी को भविष्य में और आगे बढ़ाया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम में जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में इस बार जयपुर जिले से लगभग 1100 बूथों ने सरल एप पर फोटो अपलोड की है। यह राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. एस.एस अग्रवाल ने बताया कि स्वागत कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, दक्षिण जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी के साथ इन तीनों जिले से सभी मंडल अध्यक्षों का स्वागत—अभिनंदन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

मीडियम एवं लॉन्ग टर्म ऋणों पर फोकस करें सहकारी बैंक

-डेयरी सोसायटी के अधिक से अधिक खाते सहकारी बैंकों में खोले जाएं

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि सहकारी बैंक प्रोफेशनल तरीके से काम करते हुए केपिटल जनरेट करने एवं व्यवसाय में वृद्धि करने पर जोर दें। उन्होंने कहा कि मीडियम टर्म एवं लाँग टर्म ऋणों पर फोकस करते हुए राजस्व अर्जन बढाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने सहकारी बैंकों में चालू खाते एवं बचत खाते बढाने के साथ ही लो-कॉस्ट डिपोजिट बढाने पर भी फोकस करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर एवं प्रशासक केन्द्रीय सहकारी बैंक, कोटा मंगलवार को सहकारी बैंकों की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग एवं रिव्यू कमेटी की जून तिमाही की बैठक ले रहे थे।

पैक्स को वित्तीय रूप से सशक्त बनाएं

समारिया ने ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) की लैंडिग लिमिट बढाने और उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ब्रांच मैनेजर डेयरी, सोसायटी के समस्त प्रकार के खाते, सहकारी बैंकों में खुलवाने एवं सभी प्रकार के लेन-देन इन खातों के माध्यम से कराने की दिशा में प्रयास करें। उन्होंने कासा का लेवल बढाने एवं कस्टमर की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) का कम्प्यूटराईजेशन कर समस्त कार्य ऑनलाईन किए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि 166 में से 126 पैक्स लाईव हो चुकी हैं। पांच पैक्स-दीगोद, डूंगरज्या, कुम्भकोट, रंगपुर एवं नयागांव में पूरा कार्य ऑनलाइन हो रहा है। उन्होंने बताया कि चयनित पैक्स का एक्सपोजर ट्यूर भी करवाया जा रहा है।

फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि की प्रगति पूछी

जिला कलक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा की और बाकी बीमा पॉलिसी को जल्दी करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने नये उपभोक्ता जोड़ने, सामाजिक सुरक्षा से जुडे शिविरों में ऋणियों को अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति की जानकारी ली और योजना के तहत आवेदन की पूरी प्रक्रिया के बारे में पूछा। अधिकारियों ने बताया कि जिनकी ई-केवाईसी हो चुकी हैं उन्हें सम्मान निधि की राशि नियमित रूप से मिल रही है।

गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में 1459.65 लाख रूपये का ऋण वितरित

जिला कलेक्टर समारिया ने गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए राजीविका से जुडी महिलाओं को इसका अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 1560 आवेदकों को 1459.65 लाख रूपये की ऋण राशि वितरित की गई। इसमें राजीविका उजाला के 638 सदस्यों को 576.55 लाख रूपये का ऋण वितरित किया गया। वर्ष 2025-26 में अभी तक 873 आवेदकों को 796.47 लाख रूपये की ऋण राशि वितरित की गई। इसमें राजीविका उजाला के 359 सदस्यों को 314.82 लाख रूपये का ऋण वितरित किया गया। उन्होंने विश्व की वृहद अन्न भण्डारण योजना की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत कोटा जिले की 13 ग्राम सेवा सहकारी समितियों (पैक्स) में 500 मैट्रिक टन क्षमता के वेयरहाउस बनाने की स्वीकृति मिली है जिसमें से बोरखेडा, धाकडखेडी एवं मोरपा में वेयरहाउस बन चुके हैं और जिनका केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने पिछले दिनों वर्चुअल उद्घाटन किया। जिला कलक्टर ने बने हुए वेयरहाउस का पूरी तरह से उपयोग करने के निर्देश दिए। इससे पहले जिला कलक्टर समारिया ने केन्द्रीय सहकारी बैंक कोटा का निरीक्षण किया एवं अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की प्रगति के बारे में पूछा। उन्होंने पैक्स के ऑडिट एवं डेटा एन्ट्री के बारे में जानकारी ली। साथ ही बैलेंसशीट भी चेक की। जिला कलक्टर ने वीसी के माध्यम से सभी सहकारी बैंकों के ब्रांच मैनेजरों से बात की। कोटा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक और सहकारिता की इस समीक्षा बैठक में एमडी केसीसीबी, कोटा बलविन्दर सिंह गिल, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड, रामप्रसाद शर्मा, उप रजिस्ट्रार सहकारिता राजेश मीणा, लीड बैंक अधिकारी दिलीप कौर, विशेष लेखा परीक्षक सहकारी समितियां गोविंद प्रसाद लड्ढा, क्षेत्रीय प्रबंधक राजस्थान राज्य सहकारी बैंक शाखा कोटा अखिलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिला कलक्टर ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत केन्द्रीय सहकारी बैंक, कोटा के परिसर में पौधारोपण भी किया।

छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर छात्रों ने किया अनुठा प्रदर्शन

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। छात्रों ने आरएसएस की ड्रेस पहनकर छात्र हित में लोकतांत्रिक आवाज को बुलंद किया भाजपा सरकार सिर्फ आरएसएस की बात ही सुनती है, इसलिए उनकी ड्रेस पहनकर किया प्रदर्शन: महेन्द चौधरी व अभिषेक चौधरी 30 जुलाई 2025: छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर जय नारायण व्यास यनिवर्सिटी के छात्र नेता महेन्द्र चौधरी तथा राजस्थान यनिवर्सिंटी के छात्र नेता अभिषेक चौधरी के नेतत्व में सम्पर्ण राजस्थान मे निकाली जा रही 'छात्र चेतना यात्रा' निकाली जा रही है छात्र चेतना यात्रा को छात्रों यूवाओं सहित प्रत्येक वर्ग से भारी समर्थन मिल रहा है। युवा छात्र नेता पवन नंदीवाल ने बताया कि जयपुर से शुरु छात्र चेंतना यात्रा बुधवार को पाली पहुचने पर एन एस यू आई प्रदेश महासचिव राजेन्द्र सिंह जाखोड़ा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने छात्र चेतना यात्रा का जोरदार स्बागत किया। इस मौंके पर जिला कलेकट्रेट कार्यालय पाली के समक्ष जय नारायण व्यास यनिवर्सिटी के छात्र नेता महेन्द्र चौधरी तथा राजस्थान यनिवर्सिटी के छात्र नेता अभिषेक चाँधरी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ड्रेस पहनकर अनठा प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से पूरे राज्य में अविलम्ब छात्र संघ चुनाव करवाने की घोषणा करने को मांग कों। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने भाजपा सरकार की हउधर्मिता के विरूद्ध जमकर नारेबाजी की। छातों को सम्बोधित करते हुए छात्र नेता महेंद्र चौंधरी ने कहा

कि भाजपा सरकार आरएसएस' की बात ही सुनती हैं, इसलिए उनकी ड्रेस पहनकर छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग की गईं हैं। उन्होंने कहा छात्रसंघ चुनाव छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज को बुलंद करने तथा उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। छात्रों के भविष्य एवं उनके हितों को देखते हए, छात्रसंघ चनावों को तुरंत प्रभाव से बहाल किया जाना चाहिए। छात्र नेता अभिषेक चौधरी ने कहा कि छात्र संघ चुनाव छात्रों का लोकतांत्रिक अधिकार हैं। राजस्थान की भजनलाल सरकार को दमनपुर्वक छात्रों के अधिकारों को कुचलने की बजाय छात्र संघ चुनाव करवाने चाहिए क्योंकि राजनीति की पहली सीढ़ी छात्रसंघ चुनाव है और छात्र संघ चुनाव से यूवाओं को राजनीति में आगे बढ़नै का अवसर मिलता है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले यह वादा किया था कि अगर भाजपा सत्ता में आइ तो छात्र संघ चुनाव करवाए जाएंगे, लेकिन अब सरकार अपने वादे से पूरी तरह मुकर गईं हैं, जिससे छात्रों में भारी रोष व्याप्त है। राजस्थान में भाजपा सरकार को छात्र संघ चनावों में अपने छात्र संगठन की बुरी तरह से हार का इनपुट मिलने के कारण छात्र संघ चुनाव नहीं करवाकर छात्रों के साथ भारी अन्याय किया जा रहा है। भजनलाल सरकार की तानाशाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा अगर शीघ्र ही छात्र संघ चुनाव बहाली की घोषणा नहीं की गईं तो छात्रों द्वारा पूरे राज्य में सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर इस अवसर युवा कांग्रेस पूर्व जिला अध्यक्ष गोवर्धन देवासी,nsui पाली पूर्व जिला अध्यक्ष किशोर चौधरी Nsui प्रदेश महासचिव राजेन्द्र सिंह जाखोड़ा, युवा कांग्रेस विधान सभा अध्यक्ष राकेश संवषा, छात्र संघ अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह, छात्रसंघ जिला संयोजक विकास राठौड़, असगर खत्री, योगेश खोरवाल, राकेश देवासी, भरत सिंह भाटी, प्रेम मीणा, नरेश चौधरी, राहुल भाटी, ऋतिक सोनी, हरीश चारण, संजय चौधरी, विनोद चावला, प्रमोद गर्ग, अर्जुन सिसोदिया, विशाल, अजय कच्छवाहा, राज,मनीषा, आदि बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

वाटर प्रोजेक्ट हार्वेस्टिंग के अभाव में व्यर्थ बह रहा शहर में बरसात का पानी

-चौमूं की ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण करे

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं की ऐतिहासिक नहर में वाटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट तैयार कर अगर शहर भर का बरसात का पानी नहर में उतारा जाता तो चौमूं के लोगो को गर्मियों में पानी के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम नहीं करना पड़ता और ऐसा प्रोजेक्ट अभी भी तैयार किया जाये तो आने वाले कई सौ वर्षों तक चौमूं शहर के लोगों को कभी पानी के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम नहीं करना पड़ेगा। इसलिए चौमूं की ऐतिहासिक नहर को बचाएं एवं वाटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट तैयार करवा कर चौमूं वासियों को ऐतिहासिक सौगात देने का काम करें ना कि नहर को खुर्द बुर्द कर इसे नष्ट करने का काम करें। सरकार ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण करें। मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, विधायक शिखा मील बराला, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, पुरातत्व विभाग, जिला कलेक्टर जयपुर ग्रामीण।

चौमूं तहसील के स्थित कृषि उपज मंडी समिति अनाज के परिसर में

-हरियाला राजस्थान के तहत एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम शुरू

चौंमू, (रॉयल पत्रिका)। चौंमू के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने घर ढाणियों में एक वह सार्वजनिक जगह पर एक-एक पेड़ जरूर लगाए। चौमूं तहसील के स्थित कृषि उपज मंडी समिति (अनाज) के परिसर में हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम के कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के उपस्थिति में जनसमूह से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की और उनकी देखभाल सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया। इस मौके पर पूर्व विधायक शर्मा ने बताया कि हर व्यक्ति को हर

घर, हर ढाणियों एवं सार्वजनिक जगहों पर" हरियालो राजस्थान"के तहत एक पेड़ मां के नाम जरूर से जरूर लगाए और इन पेड़ों की देख-रेख समय-समय पर होनी चाहिए। जिसे पेड जीवित रह सके।

भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने की मीडिया, सोशल मीडिया एवम् आईटी जिला संयोजक व सहसंयोजको की घोषणा

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, जिला संगठन प्रभारी रामगोपाल सुथार, चूरू विधायक हरलाल सहारण, लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र झाझड़िया, पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, सुजानगढ़ विधानसभा प्रत्याशी संतोष मेघवाल, सादुलपुर विधानसभा प्रत्याशी सुमित्रा पूनियां व वरिष्ठ नेताओं की सहमती से अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुऐ जिला मीडिया, जिला सोशल मीडिया एवम् जिला आई.टी. संयोजक एवम् सहसंयोजको की घोषणा की है। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने बताया कि जिला मीडिया संयोजक पद पर रवि दाधीच, जिला सोशल मीडिया संयोजक अभय सोनी, जिला आई टी संयोजक पद पर रमेश शर्मा को दायित्व प्रदान किया गया है इसी क्रम में जिला मीडिया सहसंयोजक पद पर नीरज जांगिड़, राजीव शर्मा, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक पद पर सुरेश मिश्रा,नोमान खांन एवम् जिला आई. टी. सहसंयोजक पद पर भरत पारीक व सुमित्रा सैन को दायित्व प्रदान किया गया है। इनकी नियुक्ति पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ , विधायक हरलाल सहारण ने सभी जिला पदाधिकारियों को शुभकामनाए देते हुऐ कहा कि मीडिया, सोशल मीडिया एवम् आई.टी. ये तीनो अंग आज महत्वपूर्ण है और इनका कार्य पार्टी की विचारधारा एवम् सरकार की नीतियों को नीचे तक पहुचाना है। उन्होने कहा कि सभी कार्यकर्ताओ ने जिस प्रकार पूर्ण समर्पण भाव के साथ कार्य किया है उसी रूप में आगे भी वो कार्य करते रहेगे एवम् इसका लाभ पार्टी की विचारधारा को मिलेगा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि इस टीम ने पूर्व में भी शानदार कार्य किया है हमें गर्व है कि हमारी जिला सोशल मीडिया टीम ने पूर्व में प्रदेश में श्रेष्ठ टीम का खिताब हासिल कर हमें गौरवान्वित किया है।

नकबजनी के प्रकरण में मात्र 24 घंटो में चार नकबजन को किया गिरफतार

-चोरी किया गया सामान व घटना में प्रयुक्त वाहन को किया बरामद

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आई.पी.एस ने बताया कि रविवार को परिवादिया निवासी सिरसला ने थाना दूधवाखारा पर एक रिपोर्ट इस आशय के पेश की कि मैं 17 जुलाई 2025 को मेरे घर के ताला लगाकर मेरे पीहर महेन्द्रगढ गई हुई थी। रविवार को सुबह मेरे परिवार के सदस्यों ने मुझे फोन कर बताया कि आपके घर के ताले टुटे हुऐ है जिस पर मैने मेरे घर पर आकर देखा तो मेरे घर के ताले टुटे हुये व सामान बिखरा हुआ मिला तथा मेरी गोदरेज की अलमारी में रखे मेरे सोने चांदी के जेवरात नही मिले वगेरा वगेरा रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान रोहताश कुमार द्वारा शुरू किया गया। घटना की गम्भीरता को देखते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू लोकेन्द्र दादरवाल आरपीएस व वृताधिकारी वृत चूरू सुनील कुमार झाझडीया के सुपरवीजन में थानाधिकारी पुलिस थाना दूधवाखारा हंसराज गुर्जर पुलिस थाना दुधवाखारा के नेतृत्व में थाना टीम व डीएसटी टीम चूरू के सहयोग से सीसीटीवी फूटेज खगालकर व सूचना संकलन कर मात्र 24 घंटो में उक्त वारदात को अंजाम देने वाले मुलजिमान 1. रामस्वरूप पुत्र बनवारीलाल जाति

बावरी उम्र 46 साल निवासी 13 एलएनपी ॥ पुलिस थाना चुनावड जिला श्रीगंगानगर हाल निवासी 01 केजेडी खाजुवाला पुलिस थाना खाजुवाला जिला बीकानेर 2. प्रवीण सिह पुत्र रामसिह जाति मजबी सिख उम्र 35 साल निवासी वार्ड नम्बर 05, 13 डीओएल रावला मंडी पुलिस थाना रावला मंडी जिला श्रीगंगानगर हाल कुपली रोड़ चोधरी धर्मकांटा के पीछे घड़साना पुलिस थाना घड़साना जिला गंगानगर 3. करतार सिह पुत्र धर्मदास जाति बावरी उम्र 57 साल निवासी चक 5 एनजीएम तहसील पुगल पुलिस थाना दंतोर जिला बीकानेर 4. हरदीप कुमार पुत्र तीर्थराज जाति बावरी उम्र 23 साल निवासी चक 01 केएलएम पुलिस थाना रावला मंडी जिला श्रीगंगानगर को गिरफतार कर अनुसंधान किया गया एंव मुलजिमान की मुताबिक इतला के मुकदमा हाजा में चोरी किया गया माल मशरूका व घटना में प्रयुक्त वाहन कार को बरामद किया गया है। मुलजिमान को बाद अनुसंधान बुधवार को पेश न्यायालय कर जेसी करवाया जायेगा। पूछताछ से सामने आया कि उक्त मुलजिमान एन.एच. 52 के आस पास स्थित गावों में दिन के समय वाहन से रैकी कर बंद घरो को चिन्हित करते है तथा रात्रि के समय वारदात को अंजाम देते है। तथा उक्त मुलजिमान द्वारा 26 जुलाई 2025 की रात्रि में ग्राम रतनपुरा पुलिस थाना राजगढ में भी चोरी की वारदात करना स्वीकार किया है। गिरफतार शुदा मुलजिम रामस्वरूप के खिलाफ पुलिस थाना पल्लू जिला हनुमानगढ में वर्ष 2024 में नकबजनी का एक प्रकरण दर्ज है।

चौमूं तहसील में यादव समाज के द्वारा गांवों में जाकर इकाई के अध्यक्ष पद नियुक्त किये

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के स्थित कृष्ण महिला छात्रावास के तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर के निर्देश अनुसार सभी ग्राम पंचायतों में जाकर हर पंचायत के स्थर अध्यक्ष पद की नियुक्ति किया जा रहा है। तहसील अध्यक्ष डागर बताया कि अध्यक्ष पद नियुक्ति कर हर ग्राम पंचायत पर कमेटी पर सदस्य बनाए जाएंगे। इसी प्रकार शुभारंभ में ग्राम पंचायत आष्टींकला के स्थित 1008 दशनाम संन्यास आश्रम के परिसर में मंहन्त मंगल पुरी जी महाराज के सानिध्य में एवं यादव समाज के चौंमू तहसील के सुभाष डागर ने सर्वसम्मति आष्टींकला में अध्यक्ष पद बाबूलाल यादव को नियुक्ति पत्र दिया। इसके साथ ही उपाध्यक्ष पूर्व उप सरपंच प्रभुदयाल सिंगड, सदस्य में शंकर लाल यादव, पूर्व वार्ड पंच रामसहाय डागर, रिछपाल, पूर्व पंचायत समिति सदस्य छोटू राम डगर, पोखरमल, श्रवण कुमार डाबर, सहितो को मनोनीत किया।

खेजरोली पुलिस चौकी तैनात पुलिसकर्मी संजय के साथ हुई मारपीट

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के अंडर में खेजरोली नगर पालिका के स्थित पुलिस चौकी मैं तैनात पुलिसकर्मी संजय के साथ हुई मारपीट की घटना देर रात रात गोविंदगढ़ सीओ राजेश जांगिड़ व गोविंदगढ़ पुलिस प्रशासन घटनास्थल पर पहुंचकर मौके से देर रात्रि में 8 आठ लोगों किया गिरफ्तार, बताया जा रहा है कि कांस्टेबल की कार बाइक के टच होने के कारण हुआ था विवाद, खेजरोली के पास ग्राम रायसिंह का बास कि यह घटना है। यह घटना मारपीट होने से घायल कांस्टेबल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया उसका इलाज चल रहा है।

चौमूं के अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पं. डॉ. रविंद्र आचार्य का बांके बिहारी मंदिर में हुआ सम्मान

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के निवासी अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्रांआचार्य का वृंदावन बांके बिहारी जी मंदिर में सेवा अधिकारी अंकित गोस्वामी के द्वारा भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. आचार्य को माला, दुपट्टा पहनाकर तथा ठाकुर बांके बिहारी जी का पावन प्रसाद भेंट कर उनका अभिनंदन या गया। डॉ. रविंद्र आचार्य ने ठाकुर जी के दर्शन कर आत्मिक शांति व प्रसन्नता प्राप्त की और सभी जनों के लिए सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। इस पावन अवसर पर उपस्थित में पंडित राहुल दाधीच, संतोष मीना, अजय गोस्वामी, पंडित शिव, पंडित महेश गोस्वामी, सुरेश शास्त्री, पंडित मुकेश शर्मा, अनिल व्यास, अमित आचार्य सहित अनेक

गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दुर्घटनाओं में मृतकों के आश्रितों को सहायता राशि स्वीकृत

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आदेश जारी कर दुर्घटनाओं में मृतकों के आश्रितों को राजस्थान मुख्यमंत्री सहायता कोष से आर्थिक सहायता भुगतान की स्वीकृति प्रदान की है। जारी आदेशानुसार जिले की सुजानगढ़ तहसील के छापर निवासी विष्णुदत्त की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर उनकी पत्नी शकुंतला तथा छापर के ही सुनिल की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर उनकी पत्नी इन्द्र जाट को एक—एक लाख रुपए की सहायता राशि बैंक खाते में भुगतान करने की स्वीकृत दी गई है। संबंधित तहसीलदार से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर तथा मृतकों के मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में पंजीकृत नहीं होने/अपात्र होने के कारण मुख्यमंत्री सहायता कोष से यह सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

प्रशासन के अधिकारियों ने लिया उर्स की व्यवस्थाओं का जायजा

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के 84वें तीन दिवसीय उर्स की व्यवस्था का प्रशासनिक अधिकारियो ने दरगाह परिसर का लिया जायजा। दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार 01 अगस्त से 03 अगस्त तक होने वाले उर्स का बुधवार दिन मे डी.वाई.एस.पी. हरजी लाल यादव, तहसीलदार नासीर बेग मिर्जा, सी.आई. रतन सिंह, कस्बा इंचार्ज ए.एस.आई. शंकर लाल, हेड़ कॉस्टेबल महेन्द्र, बीट कॉस्टेबल जीतू गुजर, नगरपालिका उपाध्यक्ष सैयद ऐजाज अली ने दरगाह परिसर मे मेला ग्राउण्ड, आस्ताना ए आलिया, अहमद कबीर मंजील, औलिया मस्जिद, महबूब पार्क एवं पूरी दरगाह परिसर का निरिक्षण

कर कमेटी पदाधीकारी एवं सदस्यो को सुरक्षा हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर नगरपालिका स्वास्थ्य निरिक्षक रेखा देवी, जमादार विजय कुमार कोदली एवं कई पुलिसकर्मियो के साथ दरगाह वक्फ कमेटी के नायब सदर मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी, खजांची अब्दुल वाहिद अंसारी, कमेटी सदस्य अशफाक हुसैन तुर्किया, सैयद अख्तर अली बुखारी, हाजी अब्रदुरहमान मंसूरी, हाजी जेनुद्दीन, मंसूर अहमद ओठवाल, हाजी शरीफ मेवाती, हाजी शब्बीर पुंवार आदि उपस्थित थे।

सैनिक विश्राम ग्रह से लेकर बस डिपो तक डिवाइडर पर लगी लाईटे

-पार्षद शाहरुख खान ने किया आभार व्यक्त

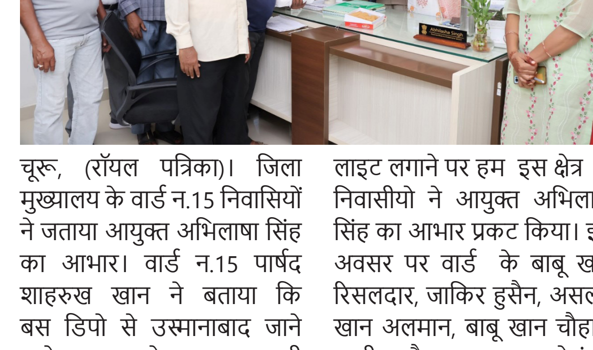

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के वार्ड न.15 निवासियों ने जताया आयुक्त अभिलाषा सिंह का आभार। वार्ड न.15 पार्षद शाहरुख खान ने बताया कि बस डिपो से उस्मानाबाद जाने वाले मुख्य रास्ते पर लाइट की कम व्यवस्था थी, इससे राहगीर परेशान रहते थे। हमने यह मांग नगर परिषद कमिश्नर साहिबा के सामने रखी तो इसका समाधान हो गया अब विश्राम गृह से नया बस डिपो तक डिवाइडर पर लाइट लगाने पर हम इस क्षेत्र के निवासीयो ने आयुक्त अभिलाषा सिंह का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर वार्ड के बाबू खान रिसलदार, जाकिर हुसैन, असलम खान अलमान, बाबू खान चौहान, यासीन चौहान, रमजान सोलंकी, सलीम खोखर, मुस्लिम सिकराय ,अफलातून खोखर, जाकिर भींचर, अजरूद्दीन, आदि ने वार्ड के विकास से सबंधित कई मांगे रखी ओर आभार जताया ।

साइलेंट स्ट्राइकर और केजीएन क्लब के बीच गुरुवार को होगा फाइनल

-विजेता खिलाड़ियों पर होगी नकद पुरस्कारों की बरसात

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में बुझावड़ स्थित कारवां क्रिकेट एकेडमी में चल रही सात दिवसीय 'मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी क्रिकेट कप प्रतियोगिता' का फाइनल मैच गुरूवार 31 जुलाई को दोपहर 02 बजे आयोजित होगा।

आर्गनाइजिंग कमेटी अध्यक्ष एजाज राज सैयद ने बताया कि निर्धारित ओवरों में खेले जाने वाले इस फाइनल मैच की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस मैच में होने वाली जीत-हार पर चर्चा का दौर जारी है।

सचिव शान मेहर ने कहा कि फाइनल में विजेता, उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कार एवं मेन ऑफ द सीरीज, मेन ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर आदि को इनामात दिए जायेंगे।

कोषाध्यक्ष फरदीन खान पन्नू ने बताया कि फाइनल को लेकर अतिथियों सहित इस टूर्नामिंट से जुड़े सभी लोग एवं शहर के युवा क्रिकेट प्रेमी पूरे जोश व उत्साह से भरे है।

भारी बारिश के बीच जिला प्रशासन मुस्तैद, जिला कलक्टर एवं एसपी ने ग्रामीण क्षेत्रों में निरीक्षण कर आज भी लिया जायजा

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर मौसम के हालात को देखते हुए आमजन की सुरक्षा और दैनिक जीवन में आ रही बाधाओं के निराकरण को लेकर प्रतिदिन ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने किशनगंज एवं शाहाबाद ब्लॉक के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर बाढ़ और जलभराव की स्थिति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर बाल्दा की पुलिया, दांता सहराना, ग्राम पंचायत ऊनी, ऊनी पहाड़ी गांव, मुंडियर तालाब, अचारपुर भील बस्ती, देवरी डूब क्षेत्र, ग्राम पंचायत बीलखेड़ा के घोघरा, सड़, गोयरा आदि स्थानों पर पहुंचे। उन्होंने मौके की वास्तविक स्थिति का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंड़ासु, एडीएम जबर सिंह सहित राजस्व, पुलिस, सार्वजनिक निर्माण, ग्रामीण विकास एवं वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। प्रशासन द्वारा राहत शिविरों में भोजन, पेयजल, राशन एवं आवास की समुचित व्यवस्था की गई है। पुलिस, होमगार्ड, चिकित्सा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सहित अन्य सभी विभागों की टीमें अलर्ट मोड पर कार्यरत हैं।

ग्रामीणों से संवाद, समस्याओं का त्वरित समाधान

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने घोघरा गांव में खड़िया नदी के पास पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। घोघरा गांव में ग्रामीणों ने हैंडपंप की समस्या बताई। जिला कलक्टर ने यहां बिना हत्थे के हैंडपंप को जुगाड से महिलाओं को चलाते देख तुरंत संज्ञान लेकर जलदाय के अधिकारियों को निर्देश दिए। कुछ समय पश्चात ही जलदाय विभाग की टीम मौके पर पहुंची और समस्या का समाधान किया। साथ ही ग्रामीणों ने जलभराव की गंभीर समस्या से परेशान होने पर जिला कलक्टर ने एसडीएम को तुरंत समाधान के निर्देश दिए। घोघरा में एक ग्रामीण द्वारा कोबरा सर्प की उपस्थिति की जानकारी देने पर कलक्टर ने मौके पर ही वन विभाग की टीम को भेजकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कराया। गोरधनपुरा गांव में भी ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक निर्देश दिए।

विद्यालय भवन एवं पेयजल समस्याओं पर निर्देश

घोघरा गांव स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अनुपयोगी भवन को जर्जर बताते हुए ग्रामीणों ने इसे गिराने की मांग की। जिला कलक्टर ने सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सावधानी बरतने की अपील

जिला कलक्टर तोमर ने ग्रामीणों से अपील की कि वे भारी बारिश के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतें, सुरक्षित स्थानों पर रहें और प्रशासन द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें।

गिव-अप अभियान में तेजी लाएं, अपात्र लोगों के नाम हटाने के टारगेट तय समय में पूरे करें- जिला कलक्टर

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने गिव-अप अभियान के तहत अपात्र लोगों के नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटाने को राज्य सरकार का महत्वपूर्ण अभियान बताते हुए कोटा जिले में अभियान के तहत अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला रसद अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षकों को एक सप्ताह के भीतर अधिक से अधिक अपात्र लोगों के नाम हटाने के सख्त निर्देश दिए।

समारिया बुधवार को कलेक्ट्रेट में गिव-अप अभियान की अभी तक की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जिला रसद अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय तथा प्रवर्तन अधिकारियों एवं निरीक्षकों से पूछा कि उनके क्षेत्र में अभी तक कितने अपात्र लोगों के नाम हटाए जा चुके हैं। उन्होंने सभी को नये लक्ष्य दिए और उन्हें समय पर पूरा करने की हिदायत दी। अभियान की धीमी प्रगति को गंभीरता से लेते हुए कहा कि फॉर व्हीलर के मालिक एवं आलीशान मकानों में रहने वाले लोगों को चिन्हित कर उन्हें स्वैच्छा से नाम हटाने के लिए प्रेरित करें ताकि पात्र लोगों के नाम खाद्य सुरक्षा योजना में जोड़े जा सकें।

उन्होंने अपील की कि खाद्य सुरक्षा सूची में शामिल ऐसे लोग जो पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक रूप से सक्षम हो गए हैं और खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ ले रहे हैं वे स्वैच्छा से अपना नाम पात्रता सूची से हटवा लें। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान स्वैच्छा से गिव-अप नहीं करने वाले ऐसे अपात्र व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

जिला कलक्टर ने अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं उचित मूल्य की दुकानों के डीलर्स से समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक अपात्र लोगों के नाम सूची से हटाने के निर्देश दिए। साथ ही, खाद्य सुरक्षा सूची में चयनित नये लोगों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में रसद अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान जिले में अभी तक 40 हजार 100 अपात्र लोगों के नाम हटाए जा चुके हैं। 26 जनवरी 2025 से अभी तक 1 लाख 39 हजार 574 लोगों के नाम जोड़े गए हैं। नये जोड़े गए लोगों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी कराई जा रही है।

बैठक में जिला रसद अधिकारी प्रथम कार्तिकेय मीणा, द्वितीय कुशाल बिलाला, प्रवर्तन अधिकारी अदिति जगरवाल, कृष्ण कुमार यादव एवं तारा प्रेम चंदानी, प्रवर्तन निरीक्षक विशाल मीणा एवं समीक्षा भटनागर ने अपने-अपने क्षेत्र में दिए गए लक्ष्य के विरूद्ध अपात्र लोगों के हटाए नामों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में प्रशिक्षु आईएएस आराधना चौहान एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग कृष्णा शुक्ला भी उपस्थित रही।

सिंगोला में 300 बीघा चारागाह भूमि से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। उपखंड गंगरार के ग्राम सिंगोला में चारागाह भूमि पर लंबे समय से हो रहे अतिक्रमण की शिकायत ग्रामीणों द्वारा जिला प्रशासन को प्राप्त हुई थी। इस पर जिला कलक्टर आलोक रंजन द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए उपखंड अधिकारी गंगरार पंकज बडगुजर एवं तहसीलदार पुष्पेन्द्र सिंह राजावत को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत सिंगोला द्वारा पहले चरण में अतिक्रमणकर्ताओं को 7 दिवस में स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने हेतु सार्वजनिक नोटिस चस्पा किए गए। इस पर कुछ लोगों ने स्वयं अतिक्रमण हटा लिया, जबकि शेष अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष कार्रवाई की गई।

मंगलवार को तहसील प्रशासन एवं ग्राम पंचायत की संयुक्त कार्रवाई में भू-अभिलेख निरीक्षक एवं पटवारियों की टीम ने मौके पर पहुँचकर तीन जेसीबी मशीनों की सहायता से लगभग 300 बीघा चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। शेष अतिक्रमण को भी आगामी दिनों में हटाया जाएगा। इस कार्रवाई के दौरान भू-अभिलेख निरीक्षक श मिठू सिंह राजपूत, बृजेन्द्र सिंह गुर्जर, पटवारी धर्मेन्द्र यादव, समता गुजराती, सुमित्रा जाखड़, अक्षय मीणा, ग्राम सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कब्रिस्तान में जलभराव होने पर वक्फ चेयरमैन इरफान अंसारी ने नाला करवाया साफ

-जेसीबी के कीचड़ में फंसने पर अंसारी ने फावड़े की मदद से किया नाला साफ

बारां (रॉयल पत्रिका) । शहर में हो रही लगातार बारिश की वजह से जलभराव की समस्या हो रही है। मंगलवार को कलाड़िया कब्रिस्तान में जल भराव होने की वजह से कब्रों क़ो नुक्सान की शिकायत पर चेयरमैन इरफान अंसारी ने तुरन्त मौके पर पहुंच कर कर्यवाही करतें हुऐ जेसीबी की मदद से नाले की सफाई ओर ख़ुदाई कराई लेकिन बारिश तेज़ होने की वजह से जेसीबी के खराब हो जाने से काम रुका तो वक़्फ़ कमेटी ओर नौजवान् साथियों के साथ अंसारी ने ख़ुद ही नाले की सफाई ओर खुदाई शुरू की, लगातार कई घंटे कार्य करने के बाद नाले का निकास सुचारू हुआ। जिसके बाद कब्रों के आसपास भरा पानी थोड़ा - थोड़ा उतरने लगा। वक्फ कमेटी चेयरमैन अंसारी ओर उनके साथियों द्वारा किए गए इस कार्य की लोगो ने प्रशंसा की।

नाव में बैठकर मदनपुरा गांव पहुंचे कलक्टर राहत एवं बचाव कार्यों का लिया जायजा

-खातौली में तैनात की एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीम

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया बुधवार को इटावा उपखंड की पीपल्दा तहसील के मदनपुरा गांव पहुंचे। गांव तक पहुंचने के मार्ग पर जल भराव के कारण जिला कलक्टर एसडीआरएफ टीम के साथ नाव में बैठकर गांव तक पहुंचे और वहां हालात का जायजा लिया।

समारिया ने बाइक पर बैठकर गांव का दौरा किया। उन्होंने जल स्तर बढ़ने की स्थिति में क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित निकालने और उनके पुनर्वास के इंतजामों के बारे में एसडीएम इटावा हेमंत कुमार घनघोर एवं पीपल्दा तहसीलदार अरुण सिंह से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की एक-एक टीम को खातौली में रुकने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर के निर्देश के बाद दोनों टीमें खातौली में रुकी हुई हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर राहत व बचाव कार्य त्वरित गति से चलाए जा सकें।

जिला कलक्टर को अधिकारियों ने बताया कि पार्वती नदी में जल स्तर बढ़ने से पानी सूकनी नदी के केचमेंट एरिया में आ गया है और इससे निचले क्षेत्रों में पानी भरा है। गांव में जल स्तर बढ़ने की स्थिति में राहत और बचाव कार्यों की पूरी तैयारी प्रशासन द्वारा की गई है। आवश्यकता पड़ने पर प्रभावितों को स्थानीय मैरिज गार्डन, पंचायत समिति भवन एवं सामुदायिक भवन, स्कूल आदि में रुकवाने की व्यवस्था की जाएगी।

जिला कलक्टर के साथ दौरे में कोटा ग्रामीण एसपी सुजित शंकर, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी एवं पुलिस उपाधीक्षक शिवम जोशी भी साथ रहे।

बारिश ने दिखाया रौद्र रूप, बाढ़ से शहर में त्राहि त्राहि

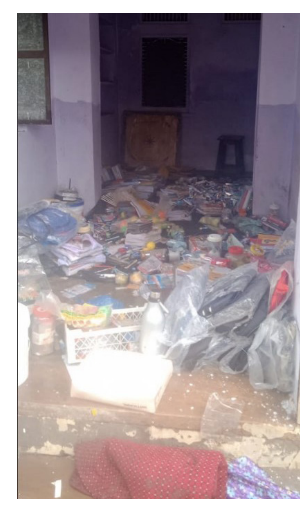

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर में बारिश का रेड अलर्ट मौसम विभाग द्वारा 30 व 31 जुलाई को बताया गया था। 30 जुलाई की रात तकरीबन 12 बजे बारिश ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू किया जो कि सुबह होते होते बहुत ही भयभीत करने वाला था।लगातार पूरी रात बारिश का दौर जारी रहा ओर शहर के लोग रात भर अपने सामान गाड़ी ओर स्वयं को बचाते रहे ओर देखते ही देखते शहर जलमग्न हो गया। शहर के मिर्जा मोहल्ला,अंसारी मोहल्ला,कागज़ी मोहल्ला, कॉली मोहल्ला,रैगर मोहल्ला ओर हम्माल मोहल्ले में घर, दुकान, गाड़ी, पशु चारों तरफ सिर्फ तबाही ही तबाही का मंजर था। शहर के स्थानीय निवासियों का कहना हे की पूरी रात घरों की छतों पर बैठकर गुजारी हालांकि जिला प्रशासन ओर पुलिस प्रशासन व सिविल डिफेंस की टीम मुस्तैदी से राहत ओर बचाव के कार्य में लगे हुए थे। निवासियों का कहना हे कि बारिश के पहले ही नाले में मिट्टी के टीलों की सफाई के लिए विभागीय अधिकारी ओर ठेकेदारों को अवगत करवा दिया था परंतु कार्य को पूर्ण नहीं किया ओर गत दिनों में इसी नाले के गड्ढों में पैर फिसल कर एक 5 साल के मासूम की जान चली गई। उसके बाद भी ठेकेदारों को असर नहीं हुआ ओर आज नाले में पानी की निकासी नहीं होने की वजह से घरों दुकानों में पानी घुस गया और लोगों का आर्थिक रूप से लाखों का नुकसान हो गया। सवाई माधोपुर जंक्शन भी पूरी तरह जलमग्न था जिससे कि कई ट्रेन लेट रही।वहीं दूसरी ओर श्योपुर,सवाई माधोपुर हाइवे ओगाल की पुलिया टूट गई जिससे खंडार,छान जैतपुर, बहराउंडा ओर मध्य प्रदेश का रास्ता पूरी तरफ बंद हो गया।

एलिवेटेड रोड सुविधा या दुविधा

शहर के भेरू दरवाज़े के यहां से ओर राजबाग तक जो एलिवेटेड का कार्य विकास में सबसे नंबर वन बताकर पिछली सरकार में लाया गया था। अब वही कहीं ना कहीं मुसीबत बनता दिख रहा हे।शहर के स्थानीय निवासियों से जब पानी के जलभराव संकट के बारे में मालूम किया गया तो अधिकतर लोगों का जवाब था नाले में मिट्टी का जमा होना टीले होना ओर एलिवेटेड के बड़े बड़े पिल्लरों से पानी टकरा के बस्ती में प्रवेश कर गया और आगे भी ऐसे ही पानी के निकास को ये पिल्लर रोकेंगे।

अब सवाल ये हे जो जल त्रासदी आज हुई हे क्या सवाई माधोपुर में आगे नहीं होगी और जो नुकसान हुआ हे आगे कभी नहीं होगा क्योंकि बारिश का दौर अब जब भी होगा आमजन भय में ही रहेगा।

मंत्री डॉ. किरोड़ी ने किया सवाई माधोपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

-पीड़ितों को दिलाया हरसंभव मदद का भरोसा, उघाड़ पुलिया के पुनर्निर्माण के दिए निर्देश

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में हुई मूसलधार बारिश के बाद उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति के मद्देनजर राजस्थान सरकार के आपदा प्रबंधन एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को सवाई माधोपुर पहुंचकर जिला मुख्यालय सहित जलभराव प्रभावित इलाकों का दौरा किया और हालात का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और स्थानीय निवासियों से संवाद कर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने लटिया नाले के उफान से शहर के रैगर मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, अंसारी मोहल्ला, प्रजापत मोहल्ला, खटीक मोहल्ला व अन्य कॉलोनियों में हुई जलभराव की गंभीर स्थिति पर चिंता जताई और लटिया नाले के बहाव क्षेत्र में बिना समुचित सर्वे के एलिवेटेड रोड स्वीकृत करने पर पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड निर्माण से नाले के प्राकृतिक बहाव में बाधा उत्पन्न हुई और बारिश के दौरान उसका प्रवाह कई स्थानों पर बदल गया, जिससे जलभराव की स्थिति और बिगड़ गई। उन्होंने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य में प्रशासन के साथ सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तत्परता से कार्य कर रही हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है और जिन लोगों को घर छोड़ना पड़ा है, उनके लिए भोजन पैकेट्स वितरित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बारिश से हुए नुकसान का त्वरित सर्वे कराया जाएगा और प्रभावितों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने एनएच-552 पर उघाड़ पुलिया के बहाव में टूटने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे न केवल मध्यप्रदेश और राजस्थान का संपर्क टूटा है, बल्कि खंडार क्षेत्र के कई गांव जिला मुख्यालय से कट गए हैं। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को पुलिया का नया एस्टीमेंट तैयार करने तथा केंद्र सरकार से बजट पास करवाने और वन विभाग से एनओसी लेने की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि यह पुलिया ब्लैक स्पॉट पर स्थित है और इस क्षेत्र में तीव्र मोड़ होने के कारण यहां नई और सुरक्षित संरचना आवश्यक है। इसके निर्माण के लिए केंद्र से मदद ली जाएगी। रामगढ़ बांध के भराव क्षेत्र में आज वर्षा कराने के लिए ड्रोन तकनीक का प्रयोग प्रस्तावित था, लेकिन मौसम विभाग की चेतावनी के चलते उसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे सतर्क रहें, प्रशासन का सहयोग करें और आवश्यकता पड़ने पर नियंत्रण कक्ष अथवा नजदीकी अधिकारी से संपर्क करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत कार्यों में कोई कोताही न हो और जलभराव वाले क्षेत्रों में शीघ्र राहत पहुँचाई जाए।

जर्जर और नकारा भवन को गिराए जाने की प्रक्रिया जारी

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में जिले में जर्जर एवं नकारा भवन, क्षतिग्रस्त एवं मरम्मत योग्य भवन के लिए चलाए जा रहें सघन निरीक्षण के अंतर्गत पूर्ण रूप से जर्जर भवनों को गिराये जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को महाविद्यालय में स्थित जर्जर भवन को गिराया जा रहा है वही मंगलवार को बिलपन ग्राम पंचायत के उच्च प्राथमिक विद्यालय गुंदी कुआं के नकारा भवन को जमीदोज किया गया। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के द्वारा अधीनस्थ आने वाले भवनों के सघन निरीक्षण एवं जांच की प्रक्रिया लगातार की जा रही है तथा श्रेणीवार भवनों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। इनमें से जो भवन कमेटी तथा पीडब्ल्यूडी इंजीनियर द्वारा पूर्ण रूप से नकारा घोषित किए जाएंगे उन्हें नियमानुसार गिराये जाने की प्रक्रिया भी पूर्ण की जाएगी। उन्होंने बताया इसके साथ ही विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, मां-बाड़ी के भवन अथवा कक्ष क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में किसी भी स्थिति में उसमें बच्चों को नहीं बैठाने, वहां पर कक्षा संचालित नहीं किए जाने तथा अन्यत्र वैकल्पिक व्यवस्था करने, किसी भी राजकीय कार्यालय के भवन अथवा कक्ष के जर्जर, क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में वहां नहीं बैठने तथा सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश भी लगातार दिए जा रहें हैं।

नवीन न्यायालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण हेतु किया पौधारोपण

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) संजीव मागो द्वारा गरिमामयी उपस्थिति में निर्माणाधीन, नवीन न्यायालय परिसर, श्रीगंगानगर में पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन आर.एस.आर.डी.सी. व प्रोजेक्ट संवेदक के सहयोग से किया गया। माननीय जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने बताया कि पौधारोपण न्यायालय भवन के निर्माणाधीन स्तर पर कर दिये जाने के कारण जब तक न्यायालय भवन का कार्य पूर्ण होगा उस समय आज लगाये गये पौधे अपनी युवावस्था को प्राप्त कर चुके होंगे, जिससे न्यायालय भवन के उद्‌घाटन के समय परिसर भरपुर हरियाली एवं वृक्षछाया से सराबोर रहेगा। कार्यक्रम में न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय सं. 01 श्रीगंगानगर मदन गोपाल आर्य, सचिव, जिविसेप्रा रविप्रकाश सुथार, नारायण प्रसाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर व प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी

-जिला कलक्टर ने जलभराव क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण किया

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मंगलवार रात जिले में हुई मूसलधार बारिश के कारण शहर के कुछ निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, हालांकि बुधवार प्रातः तक जलस्तर में गिरावट आने से जनजीवन सामान्य हो गया। जिला कलेक्टर काना राम एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों कर सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक व अतिरंजित सूचनाओं से सावधान रहने की सलाह दी और आमजन से सतर्कता बरतने की अपील कि। उन्होंने आमजन से जलभराव वाले इलाकों में अनावश्यक रूप से प्रवेश न करने, विशेषकर बच्चों और युवाओं को ऐसे क्षेत्रों से दूर रखनें का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि फोटो या वीडियो बनाने के लिए जान जोखिम में न डालें और जलमग्न सड़कों, रपटों और पुलों को पार करने से बचें।

अतिवृष्टि के काररण मंगलवार बारिश के लगातार चलते पुराने शहर के लटिया नाला एवं तटीय क्षेत्रों में रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक जलभराव की स्थिति बनी रही। जिला कलेक्टर काना राम एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने रणथंभौर रोड, मिर्जा मोहल्ला, रैगर मोहल्ला, अंसारी मोहल्ला, जामा मस्जिद, मुख्य बाजार एवं बोदल पुलिया आदि क्षेत्रों का दौरा कर बारिश से प्रभावित आमजन के घर-घर पहुंच कर उनकी वेदनाओं को सुन कर हर संभव सहायता के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने कहा की इस कठिन घड़ी में प्रशासन आमजन के साथ है। इस दौरान उन्होंने परिसम्पतियों में हुई क्षति का शीघ्र सर्वे कर राहत राशि हेतु प्रस्ताव तैयार किए जाने के निर्देश अधिकारियों को प्रदान किए।

जिला कलक्टर कानाराम ने जिले के सभी उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों, विकास अधिकारियों एवं नगरीय निकायों को राहत सामग्री, रसद व औषधियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही डूबी हुई सड़कों पर सुरक्षा बल एवं संसाधन तैनात करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने ग्राम स्तर पर पटवारी व ग्राम विकास अधिकारीयों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत् निगरानी रखते हुए आमजन को जलभराव से सतर्क करने के निर्देश प्रदान किए।

इस दौरान उन्होंने खंडार क्षेत्र के मनसरोवर बांध से अतिरिक्त जल बहाव के कारण क्षतिग्रस्त बोदल-ओंघड पुलिया का निरीक्षण कर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को तत्काल मरम्मत कार्य प्रारंभ करने व वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि खंडार उपखंड में राहत कार्यों में कोई बाधा न आए।

मंगलवार रात में भारी बारिश के दौरान सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ टीमों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर संजय शर्मा, उपखंड अधिकारी दामोदर सिंह, यूआईटी तहसीलदार विनोद शर्मा एवं नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लटिया नाला क्षेत्र से कई लोगों को सुरक्षित निकाला गया, जिनमें एक गर्भवती महिला को नाव द्वारा सुरक्षित अस्पताल पहुँचाया गया।

उन्होंने बताया कि मौसम विभाग द्वारा पूर्वी राजस्थान में आगामी दो दिवस 30 एवं 31 जुलाई को भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है जिसके मध्यनजर रखते हुए उन्होंने जिले के समस्त नागरिकों से आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करने की अपील करते हुए आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन हर परिस्थिति पर सतर्क निगाह बनाए हुए है।

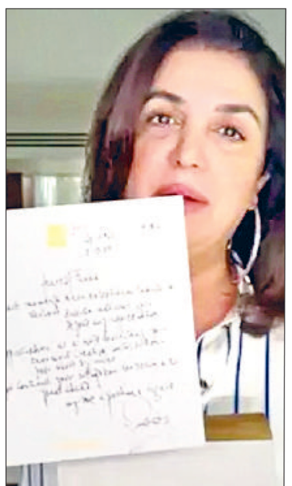

फराह को मिला अमिताभ के हाथों से लिखा लेटर

मुंबई। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक और प्रसिद्ध कोरियोग्राफर फराह खान ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में फराह ने अमिताभ बच्चन के हाथों से लिखा एक लेटर दिखाया, जो उन्हीं के लिए आया है। यह सब तब शुरू हुआ जब फराह, अभिनेत्री राधिका मदान के घर एक व्लॉग की शूटिंग के लिए गईं। वहां उन्होंने राधिका के पास अमिताभ बच्चन का एक फ्रेम किया हुआ हाथों से लिखा पत्र देखा, जिसे देखने के बाद उन्होंने बिग बी से ऐसे ही लेटर की ख्वाहिश जताई थी। फराह को लेटर भेजकर बिग बी ने उनकी यह अधूरी ख्वाहिश पूरी भी कर दी है।

लाइफ Style

भूमि

हर किसी की होती है अपनी पसंद

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडस्ट्री में फिलर्स, बोटोक्स और सर्जरी को लेकर अक्सर बहस होती है। सितारों को इसे लेकर आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी हैं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर भी सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने का आरोप लगाए हैं।

हाल ही में सीरीज द रॉयल्स में उनकी उपस्थिति ने आग में घी डालने का काम किया और इंटरनेट यूजर्स ने कथित बोटोक्स और फिलर्स के लिए भूमि को ट्रोल किया। हाल ही में अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। भूमि पेडनेकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हर किसी की अपनी पसंद होती है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां लोगों को अपनी पसंद खुद चुननी चाहिए। मैं कोई नहीं होती, जो लोगों की पसंद पर अपनी कोई राय बना सकूं'।

उन्होंने आगे अपनी डाइट पर चर्चा की। देसी घी उनके नियमित खाने में शामिल होता है। लोग इससे बहुत डरते हैं, लेकिन मेरे खाने में एक चीज जरूर शामिल है और वह है वसा। मैं अपने खाने में घी बहुत ज्यादा लेती हूं। बस फर्क इतना है कि मैं घी में खाना नहीं बनाती। मैं इसे खाने के ऊपर डालकर खाती हूं। इसे अपनी रोटी पर या इडली में डालकर खाएं, यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे पहले भूमि अपनी स्किनकेयर से जुड़े टिप्स भी शेयर कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वे क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग (सीटीएम फॉर्मूला) पर भरोसा करती हैं। भले ही उनका शेड्यूल बहुत बिजी हो, वे इसे कभी नहीं छोड़तीं।

हॉलीवुड मसाला

अवतार-3 का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की सबसे मशहूर फिल्मों में से एक अवतार के तीसरे पार्ट अवतार 3 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म अवतार का पहला हिस्सा अवतार के नाम से, दूसरा हिस्सा अवतारः द वे ऑफ वाटर के नाम से रिलीज किया गया था। अवतार के तीसरे हिस्से का नाम 'अवतारः फायर एंड ऐश' है। अवतार 3 का बजट तकरीबन 2100 करोड़ रुपए है। फिल्म को 19 दिसंबर को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। अवतार 3 के ट्रेलर में पेंडोरा की खूबसूरत दुनिया दिखाई गई है। यहां अलग तरह के जीव उड़ते हुए दिखाई देते हैं।

द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप की धीमी हुई रफ्तार

मुंबई। मार्वल स्टूडियोज की हॉलीवुड फिल्म 'द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप' ने 5.1 करोड़ रुपए के शानदार कलेक्शन से अपना खाता खोला था। वहीं, चौथे दिन सोमवार को 2 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। वीकएंड पर यह फिल्म अच्छा-खासा कलेक्शन करने में कामयाब रही। वहीं, सोमवार को इसकी कमाई की रफ्तार धीमी हो गई। अमूमन ऐसा होता है कि वीकएंड के बाद फिल्मों की कमाई कम होती है। इस फिल्म ने शनिवार को 7.35 करोड़ रुपए और रविवार को भी 7.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 22.10 करोड़ रुपए हो चुका है। द फैंटास्टिक फोर-फर्स्ट स्टेप में चार एस्ट्रोनॉट्स की कहानी है, जो एक स्पेस मिशन में हादसे का शिकार होते हैं और फिर सुपरहीरो बन जाते हैं। वह अपनी सुपरपावर से लोगों की जान बचाते हैं।

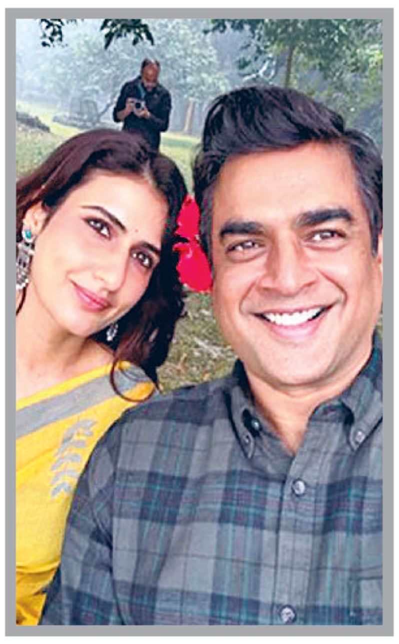

आर माधवन के साथ शेयर की तस्वीरें

मुंबई। अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्म 'आप जैसा कोई' को लेकर सुर्खियों में हैं। फातिमा सना शेख लगातार इसका प्रचार कर रही हैं। ऐसे में अब अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'आप जैसा कोई' की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं हैं और एक नोट लिखा है। उन्होंने अपने सह-कलाकार की तारीफ की है। आर माधवन के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने पोस्ट में लिखा है 'मेरे सबसे पसंदीदा सह-कलाकार। इस पूरे शूट को बहुत आसान बनाने के लिए शुक्रिया। उसके लिए भी शुक्रिया कि आपने हमें हर रोज अम्मा का सांभर मसाला खिलाया और फिलटर कॉफी पिलाई। गुलाब जामुन खिलाने के लिए भी शुक्रिया। आर माधवन आप बहुत अच्छे इंसान हैं।' फातिमा सना शेख की फिल्म 'आप जैसा कोई' 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई।

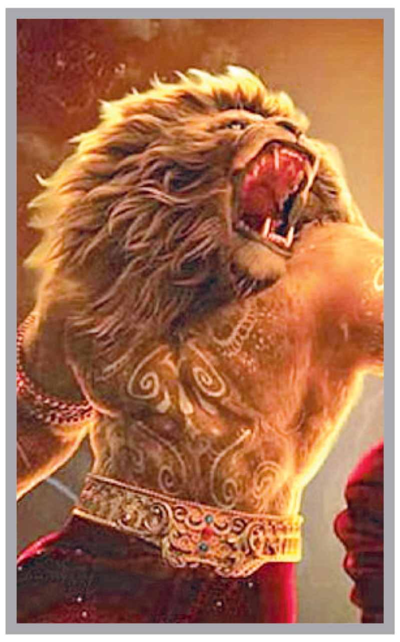

भक्तों को फ्री में दिखाई महावतार नरसिम्हा

मुंबई। एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा ने हाल ही में सिनेमाघरों में दस्तक दी है। 25 जुलाई को रिलीज हुई माइथोलॉजिकल एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा प्रदर्शन किया है। ये फिल्म दर्शकों को भगवान विष्णु के अवतार की कथा दर्शाती है। बस इसी के चलते अब इस्कॉन की तरफ से फिल्म को ज्यादा से ज्यादा भक्तों तक पहुंचाने के लिए बड़ी पहल की गई है। इस्कॉन सिलीगुड़ी ने फिल्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों को दिखाने के लिए खास इंतजाम किया है। संस्था ने पूरे सिनेमा हॉल को बुक कर अपने भक्तों के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इस्कॉन के प्रवक्ता नाम कृष्ण दास ने बताया कि ये फिल्म केवल एक मनोरंजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का एक जीवंत संदेश है।

टीवी मसाला

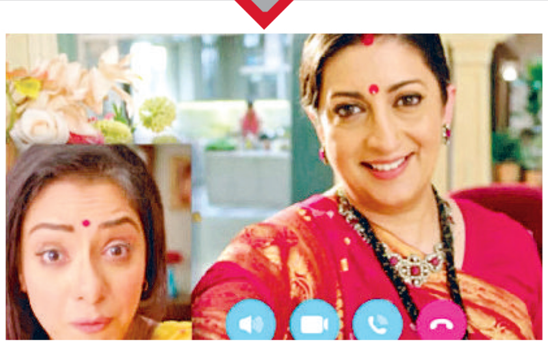

अनुपमा ने तुलसी के साथ मिलाया हाथ, ट्रोल्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली। भारतीय टेलिविजन इतिहास की सबसे चहेती बहू तुलसी वीरानी की जब से वापसी का ऐलान हुआ है, तभी से ही 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के पुराने दर्शक बेसब्री से शो का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, शो के दूसरे सीजन के पहले प्रोमो के बाद से ही लोग अनुपमा को भी लगातार निशाना बना रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसा कहा जा रहा है कि रुपाली गांगुली के शो के मेकर्स को अपनी कुर्सी को लेकर खतरा महसूस होने लगा है। हालांकि चैनल के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो ने सभी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। वीडियो में रुपाली गांगुली, जो अनुपमा की भूमिका में हैं, स्मृति ईरानी उर्फ तुलसी से वीडियो कॉल के जरिए जुड़ती हैं और उन्हें स्टार परिवार में दोबारा स्वागत करती हैं। दोनों अभिनेत्रियां एक-दूसरे से बेहद प्यार भरे ढंग से बात करती नजर आती हैं। अनुपमा रात 10 बजे और क्योंकि 2 रात 10:30 बजे प्रसारित होगा। इस वीडियो को देखने के बाद से ही अब ऐसा लग रहा है कि टीवी की ये दोनों बहुएं एक दूसरे के साथ मिलकर काफी खुश हुई हैं। शो की निर्माता एकता कपूर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि ऐसी अफवाहें अनुपमा की लोकप्रियता को कम करने की कोशिश महज हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रुपाली गांगुली एक बेहतरीन कलाकार हैं और अनुपमा ने पिछले सात वर्षों में जो मुकाम हासिल किया है, वो बेमिसाल है।

बिग बॉस 19 का हिस्सा नहीं होंगी मल्लिका

नई दिल्ली। बॉलीवुड स्टार सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बिग बॉस भारत के सबसे पसंदीदा रियलिटी शो में से एक है। यह शो अपने 19वें सीजन के साथ वापस आ गया है और इसमें भाग लेने के लिए किन हस्तियों से संपर्क किया गया है, इस बारे में पहले से ही अटकलें लगाई जा रही हैं। इस बीच ये भी खबरें आईं कि बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भी बिग बॉस 19 में नजर आएंगी। अब शो में हिस्सा लेने पर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है और सारी सच्चाई बताई है। एक्ट्रेस ने बिग बॉस से जुड़ी चर्चाओं को खारिज करते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए मैं बिग बॉस नहीं कर रही हूं और कभी नहीं करूंगी। धन्यवाद। मल्लिका इससे पहले बिग बॉस 18 के दौरान अपनी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के प्रमोशन के लिए एक गेस्ट के तौर पर शो में आई थीं। हाल ही में बिग बॉस के निर्माताओं ने एक प्रोमो वीडियो के साथ शो के 19वें सीजन की घोषणा की।

हॉलीवुड के इन अभिनेताओं ने बॉलीवुड में किया काम

मुंबई। बॉलीवुड के कई कलाकार ऐसे हैं जो बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय कर चुके हैं। ऐसे ही कई हॉलीवुड कलाकार हैं जिन्होंने बॉलीवुड की फिल्मों में काम किया। इन कलाकारों ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड में पहचान बना ली है।

रे स्टीवेंसन - आरआरआर : साल 2022 में रिलीज हुई एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' काफी मशहूर रही। इसमें भारत के लोगों का ब्रिटिश अधिकारियों के साथ संघर्ष दिखाया गया है। रे स्टीवेंसन ने फिल्म में गर्वनर स्कॉट का दमदार रोल निभाया था। रे स्टीवेंसन ने हॉलीवुड की फिल्मों 'कोल्ड स्किन', 'बिग गेम' और 'थोर' में काम किया है।

बेन किंग्सले - तीन पत्ती : फिल्म तीन पत्ती साल 2010 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, आर माधवन और कई अभिनेताओं समेत हॉलीवुड के अभिनेता बेन किंग्सले ने भी अदाकारी की थी। उन्होंने हॉलीवुड की फिल्म गांधी, आयरन मैन 3 और ऑपरेशन फिनाले में काम किया है।

सिल्वेस्टर स्टेलोन - कंबख्त इश्क : अक्षय कुमार और करीना कपूर की अदाकारी वाली फिल्म 'कंबख्त इश्क' साल 2009 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में हॉलीवुड के अभिनेता सिल्वेस्टर स्टेलोन ने अभिनय किया है। 1946 को जन्मे अभिनेता ने हॉलीवुड की फिल्म क्रीड, रॉकी और फर्स्ट ब्लड में काम किया है।

क्लाइव स्टेंडेन - नमस्ते लंदन : अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की फिल्म नमस्ते लंदन साल 2007 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार देसी व्यक्ति बने हैं तो कैटरीना कैफ भारतीय मूल की विदेशी लड़की बनी हैं। इस फिल्म में क्लाइव स्टेंडेन ने अहम किरदार निभाया है। वह फिल्म में कैटरीना कैफ के बॉयफ्रेंड बनें हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्मों क्लियर कट, ऐवरेस्ट और पजेशन में काम किया है।

वो मल्टी-स्टार ब्लॉकबस्टर फिल्म जो छह अवॉर्ड्स जीतकर बनी कल्ट

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में अब भले ही दमदार कहानी वाली फिल्में कम ही देखने को मिलती हों, लेकिन एक वक्त था, जब हिंदी सिनेमा ने एक से बढ़कर हिट और कल्ट फिल्में रिलीज हुआ करती थीं। साल 1965 में तो एक ऐसी फिल्म ने सिनेमाघरों में दस्तक दी, जिसने हिंदी सिनेमा में मल्टी-स्टारर फिल्मों का चलन शुरू किया। इस फिल्म ने रिलीज होते ही मेकर्स को मालामाल कर दिया था। साल 1965 में आई इस फिल्म में बलराज साहनी ने लीड रोल निभाया था। फिल्म में दिखाई गई अमीर से गरीब बनने की कहानी को लोगों ने काफी पसंद किया था।इतना ही नहीं, फिल्म की सफलता का कारण इसकी मजबूत कहानी, बेहतरीन एक्टिंग और फिल्म की जान उसका संगीत था। समीक्षकों ने भी इस फिल्म की जमकर सराहना की थी। फिल्म की कहानी और गानों की तो लोग आज भी मिसाल देते हैं।

70 लाख बजट, 6 करोड़ कमाई

साल 1965 में रिलीज हुई इस फिल्म का नाम है 'वक्त'। फिल्म ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म को लोगों ने इतना पसंद किया था कि फिल्म ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 70 लाख के बजट में तैयार किया गया था। फिल्म ने उस दौर में बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ रुपए की धमाकेदार कमाई की थी। फिल्म की इतनी शानदार कमाई उस दौर के हिसाब से एक बड़ा रिकॉर्ड था। यह फिल्म अपने समय की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

फिल्म ने रच दिया था इतिहास

साल 1965 में आई वक्त में राजकुमार भी नजर आए थे। फिल्म में पहले ये किरदार धर्मेंद्र को ऑफर हुआ था। वहीं, इस रोल के लिए मेकर्स की पहली पसंद थे, लेकिन धर्मेंद्र ने फिल्म में बड़े भाई की भूमिका अदा करने से इनकार कर दिया था। उनकी इस नादानी की वजह से उनके हाथ से एक वक्त जैसी ऐसी फिल्म निकल गई थी, जिसने कई अवॉर्ड जीते। फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में बेस्ट को-स्टार बेस्ट कहानी और बेस्ट गाने जैसे इस फिल्म को कई अवॉर्ड मिले थे। इस फिल्म ने फिल्मफेयर में 6 अवॉर्ड्स हासिल किए थे। आज भी लोग इस फिल्म को देखना पसंद करते हैं।

रईस आदमी झेलता है गरीबी : बता दें कि साल 1965 में रिलीज हुई बलराना साहनी की इस फिल्म में जिस तरह रईस आदमी गरीबी झेलता है, ये देख लोग थिएटर में फूट फूटकर रोए थे कि वक्त को कुछ पता नहीं, कब किसकी जिंदगी कैसे बदल जाए।यह फिल्म आज भी क्लासिक सिनेमा के लिए शानदार उदाहरण है और हर पीढ़ी के लोग इसे देखना पसंद करते हैं।

कुछ की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी हुई, तो कुछ का है सिर्फ नाम का लेना-देना

अगस्त में आएगी सीक्वल्स की बहार, दर्शकों पर चलेगा इनका जादू!

नई दिल्ली। अगले महीने हिंदी सिनेमा की चार बड़ी फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। ये फिल्में हैं वॉर 2, सन ऑफ सरदार 2, धड़क 2 और अंदाज 2। ये सभी सीक्वल हैं। कुछ की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी हुई है तो कुछ का सिर्फ नाम का लेना-देना है। अगस्त महीने में एक के बाद एक रिलीज होने जा रहीं चार सीक्वल फिल्मों को देखते हुए हर किसी के मन में एक सवाल तो बनता है। क्या ऐसे सीक्वल्स दर्शकों के दिल में उतरते हैं या यह सिर्फ एक सुरक्षित ट्रेड फॉर्मूला बन चुका है?

फिल्म का नाम देखकर टिकट नहीं बिकती: सुमित काडेल

इस बारे में सुमित काडेल ने अपनी राय देते हुए कहा, 'सीक्वल का ट्रेंड नया नहीं है। मुन्ना भाई, धूम, हेरा फेरी, कृष और वेलकम जैसी फिल्मों की अगली कड़ियां पहले भी दर्शकों को पसंद आई हैं, लेकिन हर फिल्म को यह सौभाग्य नहीं मिलता। एक सीक्वल तभी काम करता है, जब उसकी पहली किस्त दर्शकों की यादों में गहराई से बसी हो। अगर ऐसा जुड़ाव नहीं है, तो केवल नाम या ब्रांड से कोई फिल्म नहीं चलती। आज का ऑडियंस समझदार है; वो सिर्फ टाइटल देखकर टिकट नहीं खरीदते।

धड़क 2 और सन ऑफ सरदार 2 में से सफल कौन?

सुमित का मानना है कि धड़क 2 और सन ऑफ सरदार 2 की सफलता को लेकर संशय है। उनका कहना है, धड़क को थिएटर में सीमित प्रतिक्रिया मिली थी। फिल्म ने असली लोकप्रियता टीवी और ओटीटी पर पाई थी। अब इसका सीक्वल नए डायरेक्टर और नई कास्ट के साथ आ रहा है, जिससे इसकी स्टार वैल्यू कमजोर है वहीं, सन ऑफ सरदार का पहला भाग ही औसत था, जिसे ऑडियंस ने खास पसंद नहीं किया। ऐसे में इसका सीक्वल बनाना एक जबरदस्ती का फैसला लगता है, न कि ऑडियंस के लिए का।

नई फिल्म यानी नया जोखिम : अतुल आगे कहते हैं, 'नई फिल्म बनाना ऐसा होता है जैसे कोई नई दुनिया तैयार करना, जिसमें काफी जोखिम होता है। वहीं, फ्रेंचाइजी फिल्में पहले से आजमाई हुई होती हैं, जिस पर निवेशक और अभिनेता दोनों को भरोसा होता है। यही वजह है कि ज्यादातर मेकर्स इस फॉर्मूले को सुरक्षित मानते हैं। हालांकि, जो क्रिएटिव है वो रिस्क लेने से नहीं डरते।'

सीक्वल से बना भरोसा, मगर सबके लिए नहीं: अतुल मोहन

सीक्वल्स की सफलता और उस पर बढ़ती निर्भरता पर बात करते हुए ट्रेड एक्सपर्ट अतुल मोहन कहते हैं, 'इस बात में कोई दो राय नहीं कि कई फिल्मों के सीक्वल्स ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। जब कोई फिल्म हिट होती है, तो उसके साथ एक ब्रांड बन जाता है और ऑडियंस को यह अंदाजा होता है कि उन्हें क्या देखने को मिलेगा। हालांकि, अब माहौल बदल गया है। आजकल अभिनेता उन्हीं चीजों से जुड़े रहना चाहते हैं जो पहले काम कर चुकी हैं, ताकि उनके करियर पर बुरा असर न पड़े।'

अंदाज 2 नाम वही कहानी बिल्कुल नई- सुनील दर्शन

सुनील मानते हैं कि अंदाज 2 एक नई कहानी है, जो पहली फिल्म के इमोशंस को नए ढंग से दिखाती है। उन्होंने कहा, मेरी फिल्म एक फ्रेश और ओरिजिनल स्क्रिप्ट पर आधारित है। इसे अंदाज का सीधा सीक्वल नहीं, बल्कि उसी एहसास को नए तरीके से पेश करने वाली एक ताजा कहानी कहा जा सकता है। मैंने उस फिल्म की स्पिरिट को कैरी किया है, जैसे ट्रायंगल लव स्टोरी, कुछ पुराने जज्बात। यह फिल्म पूरी तरह से नई है और सिर्फ फिल्म के पुराने नाम से इसे जोड़ना मेरा उद्देश्य नहीं था। मैं नाम के सहारे फिल्म नहीं बनाता। जरूरी है कि फिल्म का नाम और कहानी एक-दूसरे से मेल खाते हों।

गिल-विराट सहित इन बल्लेबाजों ने टेस्ट क्रिकेट कप्तानी में डेब्यू करते ही लगाए सर्वाधिक शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का प्रभाव खिलाड़ी पर पड़ता है। कुछ लोग इसके दबाव में बिखर जाते हैं और उन्हें कप्तानी रास नहीं आती। वहीं, कुछ खिलाड़ी अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। शुभमन गिल ने भी अपनी कप्तानी की डेब्यू सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में कमाल किया है। इस बीच टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कप्तानी में डेब्यू करते हुए सीरीज में सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

शुभमन गिल (4* शतक)

गिल ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में 700 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तानी करते हुए उनकी बल्लेबाजी और बेहतर नजर आई है। यही कारण है कि उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर निरंतर रन बनाने में सफलता हासिल की है। लॉर्ड्स टेस्ट को छोड़कर उन्होंने हेडिंग्ले, एजबेस्टन और मैनचेस्टर टेस्ट में शतक जड़े। दिलचस्प रूप से उन्होंने एजबेस्टन में 269 और 161 रन की पारियां खेलते हुए जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

गिल ने हासिल की ये उपलब्धि

गिल अब किसी एक टेस्ट सीरीज में 700 से अधिक रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय कप्तान बने हैं। उनसे पहले सुनील गावस्कर (732 रन बनाम वेस्टइंडीज) ऐसा कर चुके हैं।

विराट कोहली (3 शतक)

बतौर कप्तान अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3 शतक लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान विराट कोहली हैं। 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया में हुई टेस्ट सीरीज में कोहली ने टेस्ट कप्तानी में पदार्पण किया था और इस बल्लेबाज ने 2 शतक (115 और 141) लगाए थे। उस सीरीज में कप्तान के रूप में उनका दूसरा शतक सिडनी टेस्ट की दूसरी पारी में (147) आया था। उन्होंने उस सीरीज में कुल 4 शतक लगाए (1 धोनी की कप्तानी में) थे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तानों ने लगाए 3 शतक

केवल 4 अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने कप्तानी करते हुए अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3 शतक बनाए थे। डॉन ब्रैडमैन ने 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 3 शतक बनाए थे। वारविक आर्मस्ट्रांग ने भी 1920-21 में घरेलू एशेज सीरीज में इतने ही शतक बनाए थे। ग्रेग चैपल ने 1975-76 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज 2014-15 में स्टीव स्मिथ ने कप्तानी करते हुए 3 शतक जड़े थे।

खबर संक्षेप

कारेनो बस्टा ने लियाम ड्राक्सल को हराया

टोरंटो। स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस चैम्पियनशिप में कनाडा के वाइल्ड कार्डधारक लियाम ड्राक्सल को 2-6, 6-4, 6-4 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। कारेनो बस्टा ने 2022 में यह टूर्नामेंट जीता था। स्पेन के ही जाउमे मुनार ने कनाडा के डान मार्टिन को 6-3, 6-0 से हराया। आस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ट्रिस्टन स्कूलकेट ने ब्राजील के जोओ फोंसेका को 7-6, 6-4 से हराया। अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने बेल्जियम के डेविड गोफिन को 6-4, 6-4 से मात दी।

अश्विन ने झूठी खबर फैलाने वालों को लताड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल सितंबर में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ एशिया कप में मुकाबले खेलेगी। इसको लेकर के सोशल मीडिया में एक खबर वायरल हो रही थी, जिसमें रविचंद्रन अश्विन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के इस फैसले की आलोचना कर रहे थे। अब अश्विन ने इसे झूठी खबर करार दिया है। इसके साथ-साथ उन्होंने ऐसी गलत खबर फैलाने वालों को लताड़ लगाई है। अश्विन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस खबर को झूठा करार दे दिया। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा, 'मुझे इस झूठी खबर से मत जोड़िए। शर्म आनी चाहिए उन लोगों पर जो ये सब फैला रहे हैं।' बता दें कि अश्विन क्रिकेट जगत में अपनी मुखर प्रतिक्रियाओं के लिए पहचाने जाते हैं। वह खेल से जुड़े हर बड़े मुद्दे पर अपनी बात को कहने से नहीं चूकते हैं।

बेन ने कप्तानी करते हुए बनाया ये बड़ा रिकॉर्ड

मेनचेस्टर। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में बड़ा रिकॉर्ड बनाया। दरअसल, इस ऑलराउंडर ने भारत के विरुद्ध सीरीज में बल्लेबाजी में 300 से अधिक रन बनाने के साथ-साथ गेंदबाजी में 15 से ज्यादा विकेट हासिल किए। इसके साथ ही वह किसी एक टेस्ट सीरीज में 300+ रन बनाने के साथ-साथ 15+ विकेट हासिल करने वाले पहले इंग्लिश कप्तान बने हैं।भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज में, स्टोक्स ने 7 पारियों में 43.42 की औसत से 304 रन बनाए, जिसमें 1 शतक भी शामिल है। उन्होंने 25.23 की औसत से 17 विकेट भी लिए हैं, जिससे वह अब तक सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 1 पारी में 5 विकेट हॉल भी लिया। बता दें कि सीरीज के तीसरे और चौथे टेस्ट में स्टोक्स को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

इंग्लैंड बनाम भारत का निर्णायक और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से ओवल मैदान में

मैदान में पिच क्यूरेटर से भिड़े कोच गंभीर बोले–तुम हमें नहीं बताओ कि क्या करना है ?

एजेंसी ▶▶| केनिंग्टन ओवल

इंग्लैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 31 जुलाई से सीरीज का निर्णायक और आखिरी 5वां टेस्ट 'द ओवल' मैदान पर खेला जाना है। फिलहाल सीरीज में 2-1 से पिछड़ रही भारतीय टीम को सीरीज बचाने ओवल टेस्ट जीतना बहुत जरूरी हो गया है। टीम इंडिया जीत का परचम फहराने अपनी

तैयारियों में जुटी है। इस बीच खबर है कि भारतीय टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर ओवल के मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से नाराज दिखे और दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई। बता दें कि इस मैदान के इतिहास में भारतीय टीम ने सिर्फ दो टेस्ट मैच ही जीते हैं वहीं इस मैदान में 45 टेस्ट मैच जीतकर इंग्लैंड टॉप पर है।

पिच क्यूरेटर के सामने आपा खो बैठे गंभीर

रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर अभ्यास के लिए दी गई सुविधाओं को लेकर नाराज थे। इसी बात को लेकर के फोर्टिस के सामने अपना आपा खो बैठे। दोनों की बातचीत एक बड़े विवाद में बदल गई। गुस्से में गंभीर ने फोर्टिस को उंगली दिखाते हुए कहा, तुम हमें नहीं बता सकते कि क्या करना है। बता दें कि इससे पहले भी भारतीय महिला टीम के एक मैच के दौरान भी फोर्टिस विवाद का हिस्सा रह चुके हैं।

अभ्यास के लिए दी गई सुविधाओं से नाखुश थे गंभीर

कथित तौर पर गंभीर केनिंग्टन ओवल में भारतीय टीम को अभ्यास के लिए दी गई सुविधाओं से नाखुश थे और क्यूरेटर के व्यवहार से वे बेहद नाराज हो गए थे। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब ओवल के पिच क्यूरेटर फोर्टिस का नाम विवाद में आया हो।

भारत ने ओवल में जीते हैं केवल 2 टेस्ट मैच

1936 से 2023 के बीच भारत ने द ओवल में 15 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 2 में उन्हें जीत मिली है और 6 में शिकस्त का सामना किया है। इस बीच 7 मैच ड्रॉ भी रहे हैं। भारत ने इस मैदान पर क्रमशः 1971 और 2021 में अजीत वाडेकर और विराट कोहली के नेतृत्व में जीत हासिल की थी। इंग्लैंड और भारत ने 1979 से 2007 के बीच यहां लगातार 5 मैच ड्रॉ खेले हैं।

इंग्लैंड 45 मैच इस मैदान में जीतकर शीर्ष पर

रिपोर्ट के अनुसार, 1880 से 2024 के बीच, इंग्लैंड ने ओवल के मैदान पर कुल 106 टेस्ट खेले हैं। मेजबान टीम ने यहां पर 45 टेस्ट जीते हैं और 24 मैच हारे हैं, जबकि 37 मैच ड्रॉ रहे हैं। इस मैदान पर सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड भी इंग्लैंड के नाम ही दर्ज है। मेजबान टीम ने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 903/7 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित की थी।

इन भारतीय खिलाड़ियों का रहा है अच्छा प्रदर्शन

ओवल में राहुल द्रविड़ सर्वाधिक रन वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उन्होंने 110 की औसत के साथ 443 रन बनाए थे, जिसमें 2 शतक शामिल हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में केएल राहुल ने यहां 62.25 की औसत से 249 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में रविंद्र जडेजा ने द ओवल में भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट (15) लिए हैं। इस मामले में किसी अन्य भारतीय के नाम 10 से ज्यादा विकेट नहीं हैं।

इन इंग्लिश खिलाड़ियों ने ओवल में किया है कमाल

लियोनार्ड हटन टेस्ट क्रिकेट में द ओवल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने यहां 89.47 की औसत से 1,521 रन बनाए हैं। उनके नाम एक तिहरा शतक (364) भी है। इस बीच जो रूट ने इस मैदान पर 11 टेस्ट में 41.73 की औसत से 793 रन (2 शतक) बनाए हैं। इयान बॉथम ने ओवल में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट (52) लिए हैं।

बैडमिंटन टूर्नामेंट

सात्विक-चिराग मकाऊ ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां मलेशिया के लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से जगह बनाने वाले सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई जोड़ी को केवल 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। महिला एकल में अनमोल खरब और तस्नीम मीर अपने-अपने क्वालीफिकेशन मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

अनमोल ने अजरबैजान की कीशा फातिमा अजाहरा को 21-11, 21-13 से, जबकि तस्नीम ने थाईलैंड की टिडाप्रोन क्लेबीसुन को 21-14, 13-21, 21-17 से हराया। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी चीनी ताइपे की लिन जियाओ मिन और पेंग यू वेई की जोड़ी से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई। पुरुष युगल में डिंगकू सिंह कोंथौजम और अमान मोहम्मद ने हांगकांग के लॉ चेउक हिम और येउंग शिंग चोई को हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया।

सात्विक- चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ पुरूष युगल विश्व रैंकिंग में फिर शीर्ष दस में पहुंच गए। दोनों पिछले सप्ताह चीन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे जिससे उन्हें तीन पायदान का फायदा मिला।

अन्य खिलाड़ियों की ऐसी हैं रैंकिंग : पुरूष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन 54442 अंक के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गए जबकि एच एस प्रणय दो पायदान चढकर 33वें स्थान पर हैं। महिला एकल में उन्नति हुड्डा कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग पर पहुंच गई। सिंधू 15वें स्थान पर बनी हुई हैं।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय तैराकों का निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारतीय तैराकों का दोहा में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा जब कोई भी तैराक अपनी हीट से आगे नहीं बढ़ पाया। अनुभवी साजन प्रकाश अपने पसंदीदा 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। प्रकाश ने 1:59.33 सेकंड का समय लिया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही 31 साल के प्रकाश का मौजूदा चैंपियनशिप में अभियान समाप्त हो गया। वह इससे पहले वह सोमवार को वह 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर रहे थे।

अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आर्यन नेहरा 8:21.30 सेकंड के सामान्य से कम समय के साथ 23वें स्थान पर रहे। फाइनल में केवल शीर्ष आठ तैराक ही आगे बढ़े। नेहरा ने चैंपियनशिप के पिछले सत्र (2023) में 08:00.76 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। उनका अभियान भी समाप्त हो गया। वह 50 मीटर बटरफ्लाई में 91 तैराकों में से 57वें स्थान पर रहे थे।

मैनचेस्टर टेस्ट के ड्रॉ रहने के बाद ऐसी है डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मुकाबले के बाद सीरीज में फिलहाल इंग्लिश टीम 2-1 से आगे है। पहली पारी के आधार पर 311 रन से पिछड़ने वाली भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में अविश्वसनीय प्रदर्शन किया।

शीर्ष पर मौजूद है ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलिया ने इस चक्र में अब तक 3 टेस्ट खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की हैं। अंक तालिका में इस समय ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार है। कंगारू टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने तीनों टेस्ट खेले हैं। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने 2 में से 1 मैच जीता है और 1 ड्रॉ खेला है। फिलहाल 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ श्रीलंकाई टीम दूसरे स्थान पर मौजूद है।

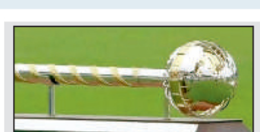

चौथे स्थान पर बरकरार है भारतीय टीम

मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में यह भारत का पहला ड्रॉ रहा है। अब भारतीय टीम 33.33 प्रतिशत अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर बरकरार है। भारत ने इस चक्र में सिर्फ 1 टेस्ट (एजबेस्टन टेस्ट) जीता है और 2 में हार झेली है। दूसरी तरफ इंग्लैंड ने डब्ल्यूटीसी 2025-27 में अब तक 4 में से 2 मैच जीते हैं और 1 में हार झेली है। फिलहाल 66.67 प्रतिशत अंक के साथ इंग्लिश टीम तीसरे पायदान पर मौजूद है।

एशियाई कप : भारत महिला टीम ग्रुप सी में जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है।

ग्रुप ए और बी में ये टीमें हैं शामिल

ग्रुप ए में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। चीन गत विजेता है और वह रिकार्ड 10वां खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

भारतीय टीम का अभियान 4 मार्च से : भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

इस प्रारूप में खेला जाएगा टूर्नामेंट : प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी।

टेस्ट क्रिकेट में टूटा 148 साल पुराना रिकॉर्ड

टीम इंडिया ने रचा इतिहास, एक सीरीज में बनाए 7 बार 350+ रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऐसा विश्व रिकॉर्ड बना दिया जो 148 वर्षों तक अटूट रहा। भारतीय टीम अब टेस्ट इतिहास की पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसने एक ही सीरीज में सात बार 350 या उससे अधिक रन बनाए हैं।

इससे पहले यह उपलब्धि (6 बार 350+ रन) अब तक ऑस्ट्रेलिया के नाम तीन बार रही लेकिन भारत ने उसका यह रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में भारत ने आठ पारियों में बल्लेबाजी की है और सिर्फ एक बार 350 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। फिलहाल पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में चार मैचों के बाद इंग्लैंड 2-1 से आगे है, लेकिन बल्लेबाजी के आंकड़ों में भारत पूरी तरह से हावी रहा है।

नई टीम, नया कप्तान और नया इतिहास

भारतीय टीम की यह सफलता सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह एक संकेत है कि कैसे एक नई पीढ़ी के खिलाड़ी नेतृत्व की भूमिका निभा सकते हैं और दबाव की स्थिति में खुद को साबित कर सकते हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम ने अनुशासित, आक्रामक और रणनीतिक क्रिकेट खेला। इस रिकॉर्ड तक पहुंचने का श्रेय केवल टॉप ऑर्डर को नहीं जाता, बल्कि मिडिल और लोअर ऑर्डर बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिए।

गिल की कप्तानी में भारत ने दिखाया दम

इंग्लैंड दौरे के लिए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल को सौंपी गई है और वे पहली बार इस भूमिका में हैं। टीम में कई नए चेहरे शामिल हैं क्योंकि अनुभवी खिलाड़ी रिटायर हो चुके हैं। इसके अलावा टीम को कई चोटों का भी सामना करना पड़ा। इन सबके बावजूद भारतीय टीम ने इंग्लैंड की सरजमीं पर दमदार खेल दिखाया और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया।

गिल ब्रिगेड ने तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड

भारत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने एक नई मिसाल कायम की है। इससे पहले टेस्ट क्रिकेट में अधिकतम 350+ स्कोर एक सीरीज में छह बार बनाए गए थे और वह भी केवल ऑस्ट्रेलिया द्वारा। सबसे पहले 1920-21 में ऑस्ट्रेलिया ने अपने घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ छह बार 350 से अधिक रन बनाए थे। इसके बाद 1948 और 1989 में भी उन्होंने इंग्लैंड में यह कारनामा दोहराया।

किसी टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक 350+ स्कोर

7 बार – भारत बनाम इंग्लैंड, 2025 (अवे)
6 बार – ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, 1920/21 (होम)
6 बार – ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, 1948 (अवे)

वनडे रैंकिंग : मंधाना से ब्रंट ने छीनी बादशाहत, बनीं नंबर वन

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने महिला वनडे खिलाड़ियों की नई रैंकिंग जारी की है, जिसमें टॉप पर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भारतीय स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को एक पायदान का नुकसान हुआ है। वे अब नंबर-2 पर खिसक गई हैं।

उनकी जगह इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर ब्रंट ने नंबर-1 की कुर्सी हासिल कर ली है। दोनों के बीच महज 3 अंकों का ही फासला है। मंधाना जुलाई 2023 से लेकर अप्रैल 2024 और फिर जून से दिसंबर 2024 तक नंबर-1 पर काबिज रह चुकी हैं, लेकिन इस बार उन्हें मामूली अंतर से पीछे हटना पड़ा।

हरमनप्रीत की सेंचुरी का बड़ा इनाम

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 82 गेंदों पर 102 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर टीम इंडिया को मजबूती दी। इस प्रदर्शन का उन्हें सीधा फायदा मिला और वह आईसीसी विमेंस वनडे रैंकिंग में 10 स्थान की छलांग लगाकर 11वें नंबर पर पहुंच गईं।

सेना का 'ऑपरेशन शिवशक्ति': पुंछ में दो आतंकी ढेर, घुसपैठ की कोशिश नाकाम

-सेना की सतर्कता से पुंछ में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

पुंछ/जम्मू। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आतंकियों को मार गिराया है। यह ऑपरेशन पुंछ के सकियान सेक्टर में नियंत्रण रेखा (LoC) के पास चलाया गया, जिसका नाम 'ऑपरेशन शिवशक्ति' रखा गया था। मारे गए आतंकवादी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) की तरफ़ से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सेना ने उनकी घुसपैठ को नाकाम करते हुए उन्हें मौके पर ही ढेर कर दिया। ऑपरेशन के दौरान आतंकियों के पास से तीन आधुनिक हथियार, ग्रेनेड, एके-47 राइफलें, मैगज़ीन, और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। यह कार्रवाई भारतीय खुफिया एजेंसियों और सेना के विशेष दस्तों की सटीक सूचना के आधार पर की गई।

कैसे हुआ ऑपरेशन शिवशक्ति?

सेना को पिछले कुछ दिनों से LoC के पास संदिग्ध हलचल की सूचनाएं मिल रही थीं। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने इनपुट दिया था कि कुछ आतंकी पुंछ सेक्टर से घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। इसके बाद सेना ने इलाके में घेराबंदी बढ़ा दी और निगरानी के लिए ड्रोन, नाइट विज़न कैमरे और सेंसर्स का इस्तेमाल किया गया। 27 जुलाई की रात करीब 2 बजे सेना को कुछ संदिग्ध लोगों की मूवमेंट दिखी। इसके बाद स्पेशल फोर्स और 16 राइफल यूनिट के जवानों ने मिलकर तुरंत ऑपरेशन शुरू किया। आतंकियों को ललकारा गया, लेकिन उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया।

मारे गए आतंकियों की पहचान और मंशा

सेना के अनुसार दोनों आतंकी पाकिस्तान से आए थे और जैश-ए-मोहम्मद या लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठन से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि, उनकी पहचान की पुष्टि अभी औपचारिक रूप से नहीं हो पाई है। उनके पास से पाकिस्तान में बनी चीज़ें और कुछ सैटेलाइट फोन भी बरामद हुए हैं, जिससे यह साफ है कि वे किसी बड़ी साजिश के तहत भारतीय सीमा में दाखिल हो रहे थे। सैन्य सूत्रों के अनुसार, इन आतंकियों का मकसद किसी सैन्य कैंप या नागरिक क्षेत्र पर हमला करना हो सकता था। हाल के दिनों में अमरनाथ यात्रा को लेकर भी आतंकी संगठन सक्रिय हुए हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि इन आतंकियों का मिशन यात्रा को निशाना बनाना भी हो सकता था।

इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी

ऑपरेशन के बाद पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया गया है। सेना, BSF और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से जंगलों, घाटियों और पहाड़ियों में सर्च ऑपरेशन चला रही हैं, ताकि कोई और आतंकी छिपा हो तो उसे पकड़ा जा सके। स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि आतंकियों की मौजूदगी की पक्की जानकारी के बाद ही ऑपरेशन चलाया गया और इसमें नागरिकों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा। सुरक्षा बलों ने अत्यंत सावधानी के साथ यह ऑपरेशन अंजाम दिया।

LoC पर अलर्ट और सख्त निगरानी

घुसपैठ की इस कोशिश के बाद पूरे पुंछ सेक्टर और एलओसी पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सीमा पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी भी तेज कर दी गई है ताकि किसी भी हलचल का तुरंत जवाब दिया जा सके। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इस ऑपरेशन की सराहना करते हुए जवानों को बधाई दी है और कहा है कि ऐसे किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

स्थानीय लोगों का समर्थन सराहनीय

इस ऑपरेशन के दौरान स्थानीय लोगों का सहयोग भी अहम रहा। सेना और प्रशासन ने इलाके के निवासियों को जागरूक रहने को कहा है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने का आग्रह किया है। सेना ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं और सेना हर परिस्थिति के लिए तैयार है।

भारत की ताकत से घुटनों पर आया पाकिस्तान: मोदी बोले - "अब और मार झेलने की ताकत नहीं रही"

-DGMO ने खुद लगाई थी गुहार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा में बड़ा बयान देते हुए कहा कि भारत की सेना की ताकत और केंद्र सरकार की निर्णायक नीति के चलते पाकिस्तान को घुटनों के बल आना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि जब भारत की सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब देना शुरू किया, तो वहां के DGMO (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) ने खुद गुहार लगाई और कहा – "बस करो, अब और सहन नहीं हो रहा।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस जंग को किसी विदेशी ताकत ने नहीं रोका, न किसी देश के नेता ने समझौते के लिए मध्यस्थता की। ये सिर्फ भारत की सेना और सरकार की इच्छाशक्ति का नतीजा था कि पाकिस्तान को खुद कदम पीछे खींचने पड़े।

सेना के शौर्य का लोहा मान गया पाकिस्तान

प्रधानमंत्री ने यह बयान उस समय दिया जब वे एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सेना की वीरता और सरकार की सख्त नीति का हवाला देते हुए कहा – "जब पाकिस्तान की ओर से लगातार सीज़फायर का उल्लंघन हो रहा था, तो हमने कह दिया था – अब बहुत हुआ। उसके बाद हमारी सेना ने ऐसा जवाब दिया कि पाकिस्तान के होश उड़ गए।"

उन्होंने आगे कहा – "पाकिस्तान के DGMO ने भारत के DGMO को फोन कर कहा – 'बस करो, अब और मार झेलने की ताकत नहीं।' यह भारत की सैन्य और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जीत थी, न कि किसी वैश्विक नेता की मध्यस्थता का परिणाम।"

"दुनिया नहीं, भारत की ताकत ने दिलाई शांति"

मोदी ने अपने भाषण में यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब किसी के दबाव में नहीं चलता। उन्होंने कहा – "भारत अब किसी वैश्विक दबाव या अपील पर युद्ध रोकने वाला देश नहीं है। हमने बार-बार साबित किया है कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है और उसका हर हाल में बचाव किया जाएगा।" यह बयान साफ संकेत देता है कि भारत अब आत्मरक्षा में पीछे नहीं हटेगा और हर हमले का जवाब उसी भाषा में देगा।

सर्जिकलस्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक का भी किया ज़िक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने आतंक के खिलाफ दुनिया को एक नया रास्ता दिखाया है। "पहले भारत सिर्फ निंदा करता था, अब जवाब देता है। हमने पाकिस्तान में घुसकर मारा और आतंक के अड्डों को तबाह कर दिया। ये संदेश पूरी दुनिया को गया – भारत अब चुप नहीं रहेगा।"

राजनीतिक सन्देश भी स्पष्ट

मोदी के इस बयान का मक़सद सिर्फ पाकिस्तान पर निशाना साधना नहीं, बल्कि यह बताना भी था कि उनकी सरकार 'मजबूत नेतृत्व' के सिद्धांत पर चलती है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस या अन्य दल की सरकार होती तो शायद सिर्फ बयान आते, कार्रवाई नहीं।

उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा – "आपके एक वोट ने भारत को बदल दिया है। आज दुनिया भारत को नई नजरों से देख रही है – एक ताकतवर, निर्णायक और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में।"

राजनीतिक विरोधियों पर हमला

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर भी हमला बोला और कहा कि कुछ पार्टियां देश की सुरक्षा पर सवाल उठाकर दुश्मनों को ताकत देती हैं। उन्होंने कहा कि कुछ नेता सबूत मांगते हैं, जबकि सेना जान पर खेलकर देश की रक्षा करती है। "जो जवानों के पराक्रम पर सवाल उठाते हैं, उन्हें देश माफ नहीं करेगा। देश का हर नागरिक सेना के साथ खड़ा है।" प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान ने एक बार फिर देश की जनता में राष्ट्रवाद की भावना को जागृत किया है। पाकिस्तान के DGMO द्वारा "बस करो" जैसी अपील का दावा यह दर्शाता है कि भारत की कूटनीति और सैन्य रणनीति अब रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक और निर्णायक हो चुकी है।

राहुल गांधी का हमला: मोदी सीजफायर पर और बोलेंगे तो ट्रम्प खोल देंगे राज

- ट्रेड डील में भी दबाव में थे पीएम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान पर तीखा हमला बोला है, जिसमें पीएम मोदी ने दावा किया था कि "दुनिया के किसी नेता ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध नहीं रुकवाया। पाकिस्तान के DGMO ने खुद भारत से सीजफायर की गुहार लगाई थी।" इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर और कुछ बोलेंगे, तो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उनकी असलियत उजागर कर देंगे। राहुल गांधी ने तंज कसते हुए कहा, "मोदी जी ने अगर सीजफायर की बात और आगे बढ़ाई, तो ट्रम्प पूरी सच्चाई सामने रख देंगे। उस वक्त ट्रम्प ने खुद कहा था कि मोदी ने उनसे मध्यस्थता की पेशकश की थी। अब मोदी कह रहे हैं कि किसी नेता ने कुछ नहीं किया। फिर ट्रम्प ने जो कहा था, वो क्या था?"

सीजफायर का क्रेडिट लेने की होड़: राहुल का सवाल

राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि अगर पाकिस्तान की तरफ से ही सीजफायर की अपील की गई थी, तो फिर 2019 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संसद में क्यों कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की बात की थी? राहुल ने कहा, "मोदी सरकार को बताना चाहिए कि क्या उन्होंने कभी ट्रम्प से इस तरह की कोई बातचीत की थी? अगर नहीं, तो ट्रम्प ने झूठ क्यों बोला और मोदी ने उस वक्त उसका खंडन क्यों नहीं किया?"

"मोदी झूठे दावे कर रहे हैं" - कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि मोदी सरकार लगातार झूठे दावे करके जनता को गुमराह कर रही है। पार्टी का आरोप है कि सीजफायर जैसे संवेदनशील मसलों को राजनीतिक फायदे के लिए तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। कांग्रेस के अनुसार, पाकिस्तान के साथ सीजफायर जैसी कोई भी बातचीत भारत के सैन्य और राजनयिक संस्थानों के जरिये होती है, न कि प्रधानमंत्री की एकतरफा पहल से।

ट्रेड डील पर दबाव की बात भी उठाई

राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर भी मोदी सरकार लगातार दबाव में रही है। उन्होंने कहा, "डोनाल्ड ट्रम्प का रवैया शुरू से ही आक्रामक रहा है। उन्होंने भारत को कई बार धमकी दी कि अगर उनकी शर्तें नहीं मानी गईं तो व्यापार पर असर पड़ेगा। अब मोदी जी जब अमेरिका से दोस्ती की दुहाई देते हैं, तो ये बातें क्यों नहीं बताते?" उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अमेरिका से दबाव में कई समझौते किए, जिनसे देश के छोटे व्यापारियों और किसानों को नुकसान हुआ।

राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज

पीएम मोदी के बयान और राहुल गांधी की तीखी प्रतिक्रिया के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। बीजेपी नेताओं ने राहुल के बयान को 'झूठ और भ्रामक' बताया है।

रूस में 8.8 तीव्रता का भूकंप: दुनिया का छठा सबसे बड़ा झटका, 5 मीटर ऊंची सुनामी से तबाही

-कमचटका क्षेत्र में धरती कांपी, तटीय इलाकों में तबाही; अलास्का और हवाई तक पहुंचीं सुनामी लहरें

टोक्यो (एजेंसी)। 29 जुलाई 2025 की रात रूस के सुदूर पूर्वी हिस्से में एक भयानक प्राकृतिक आपदा ने दुनिया को चौंका दिया। रिक्टर स्केल पर 8.8 तीव्रता वाले इस भीषण भूकंप ने न केवल रूस के कमचटका प्रायद्वीप को हिला दिया, बल्कि इसके चलते समुद्र में उठी सुनामी लहरों ने अमेरिका के अलास्का और हवाई तक को चेतावनी की स्थिति में ला दिया। यह भूकंप अब तक दर्ज इतिहास में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप बताया जा रहा है।

भूकंप का केंद्र और तीव्रता

यह भूकंप रूस के कमचटका क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार रात करीब 11:45 बजे आया। इसका उपकेंद्र समुद्र तल से करीब 25 किलोमीटर की गहराई में था। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) और रूस की भूकंप विज्ञान एजेंसियों ने इसकी तीव्रता 8.8 मापी है। कमचटका क्षेत्र, जो पहले से ही पैसिफिक 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है, अक्सर भूकंप की चपेट में आता रहता है, लेकिन इस बार का झटका असामान्य रूप से शक्तिशाली था।

5 मीटर ऊंची सुनामी लहरें

भूकंप के कुछ ही मिनटों बाद समुद्र में जबर्दस्त उथल-पुथल शुरू हो गई और करीब 5 मीटर (16 फीट) ऊंची सुनामी लहरें कमचटका के तटीय इलाकों से टकराईं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक कई मछली पकड़ने वाली नौकाएं लापता हो गईं और तटीय गांवों में भारी तबाही की खबर है। सुनामी की चेतावनी रूस के साथ-साथ जापान, कोरिया, अलास्का, हवाई और फिलीपींस तक जारी की गई।

अमेरिका में भी खतरे की घंटी

भूकंप के ठीक 90 मिनट बाद अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप में समुद्र के जल स्तर में असामान्य बदलाव देखा गया। हवाई के होनोलुलु शहर में समुद्र की लहरें सामान्य से डेढ़ मीटर ऊंची दर्ज की गईं, हालांकि वहां किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। अलास्का के कुछ बंदरगाहों को एहतियात के तौर पर बंद कर दिया गया है।

रूस में नुकसान और राहत कार्य

कमचटका के पेट्रोपावलोव्स्क-कमचत्स्की, येलिज़ोवो और अवाचा जैसे शहरों में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। अब तक 45 लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग मलबे में दबे होने की आशंका है। रूस की आपातकालीन सेवा और सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। मौसम की खराबी और तेज बारिश के कारण राहत कार्यों में दिक्कतें आ रही हैं।

इतिहास में छठा सबसे बड़ा भूकंप

यह भूकंप आधुनिक मापन इतिहास में छठा सबसे शक्तिशाली भूकंप बन गया है। इससे पहले 1960 में चिली में 9.5 तीव्रता, 2004 में इंडोनेशिया में 9.1 तीव्रता, 2011 में जापान में 9.0 तीव्रता वाले भूकंप आ चुके हैं। रूस में इससे पहले इतना शक्तिशाली भूकंप 1952 में कमचटका क्षेत्र में 9.0 तीव्रता से आया था, लेकिन तब नुकसान कम था क्योंकि आबादी कम थी।

सुनामी चेतावनी प्रणाली की भूमिका

इस घटना के बाद यह साबित हो गया है कि सुनामी चेतावनी प्रणाली कितनी जरूरी है। जापान और अमेरिका की चेतावनी एजेंसियों ने तुरंत अलर्ट जारी किया, जिससे तटीय इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सका। रूस की नई डिजिटल सायरन प्रणाली ने भी समय पर लोगों को जागरूक किया, वरना जनहानि कहीं अधिक हो सकती थी।

वैज्ञानिकों की चेतावनी

भूकंप वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रशांत महासागर के नीचे स्थित टेक्टॉनिक प्लेटों में लगातार हलचल हो रही है। यह इलाका 'रिंग ऑफ फायर' के नाम से जाना जाता है, जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा भूकंपीय गतिविधियों वाला क्षेत्र है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस क्षेत्र में आगामी सप्ताहों में आफ्टरशॉक्स (भूकंप के झटके) आते रह सकते हैं, जिनकी तीव्रता 6.5 से ऊपर हो सकती है। रूस के कमचटका क्षेत्र में आया यह विनाशकारी भूकंप और उससे उत्पन्न सुनामी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि प्रकृति के सामने मानव की ताकत सीमित है। हालांकि समय पर चेतावनी और तकनीक की मदद से बड़ी संख्या में जानें बचाई जा सकीं, लेकिन इस प्राकृतिक आपदा ने एक बार फिर बुनियादी ढांचे की मजबूती और आपदा प्रबंधन प्रणाली को और बेहतर बनाने की जरूरत को उजागर कर दिया है। आने वाले समय में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए वैश्विक सहयोग और चेतावनी प्रणालियों को और मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। इसका केंद्र समुद्र के नीचे 25 किमी की गहराई में था। भूकंप के तुरंत बाद लगभग 5 मीटर ऊंची सुनामी लहरों ने तटीय गांवों में भारी तबाही मचाई। कई नौकाएं लापता हैं और दर्जनों घायल हुए हैं। अलास्का और हवाई तक भी समुद्र स्तर में असामान्य बदलाव दर्ज हुआ।

ट्रंप की चेतावनी: भारत ने ट्रेड डील नहीं की तो 25% टैरिफ लगेगा

-भारत-पाक सीजफायर का श्रेय भी लिया

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि यदि भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को जल्द अंतिम रूप नहीं दिया, तो वह भारत पर 25% तक टैरिफ (आयात शुल्क) लगा सकते हैं। ट्रम्प ने अपने चुनावी अभियान के दौरान यह बयान दिया, जिसमें उन्होंने यह भी दावा किया कि 2020 में उनके कार्यकाल के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच उन्होंने ही सीजफायर करवाई थी। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों को लेकर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है, लेकिन अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ट्रम्प का बयान भारत के लिए एक स्पष्ट चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि "यदि भारत अमेरिका के साथ फेयर ट्रेड नहीं करता और अपनी बाधाओं को नहीं हटाता, तो उसे भारी टैरिफ झेलना पड़ सकता है।"

भारत पर ट्रम्प का आरोप

ट्रम्प ने अपने बयान में कहा, "भारत हमसे सामान खरीदता है लेकिन हमारी चीज़ों पर भारी टैक्स लगाता है। यह फेयर डील नहीं है। जब मैं सत्ता में था, मैंने भारत को स्पष्ट संदेश दिया था कि या तो वह हमारे उत्पादों पर टैक्स कम करे या हम भी उनके उत्पादों पर उतना ही शुल्क लगाएंगे।" उन्होंने आगे जोड़ा कि यदि भारत ट्रेड डील को फाइनल कर लेता है, तो वह टैरिफ से बच सकता है, लेकिन अगर नहीं किया, तो "हमें अपनी अर्थव्यवस्था और कंपनियों की रक्षा के लिए कदम उठाने होंगे।"

सीजफायर का पुराना दावा दोहराया

ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान को लेकर भी एक बार फिर चौंकाने वाला दावा दोहराया। उन्होंने कहा कि जब वे राष्ट्रपति थे, तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर था। "पाकिस्तान परमाणु बटन की बात कर रहा था और भारत जवाबी तैयारी में था। मैंने मोदी से बात की, फिर पाकिस्तान से भी बात की और एक सीजफायर तय करवाया। यह सब कुछ 48 घंटे के अंदर हुआ था। यदि मैंने दखल नहीं दिया होता, तो दोनों देश युद्ध की ओर बढ़ जाते।" इस दावे पर भारत सरकार की तरफ से पहले भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। हालांकि, ट्रम्प का यह दावा पहले भी अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां बना था।

भारत की प्रतिक्रिया?

भारत सरकार ने फिलहाल ट्रम्प के ताज़ा बयानों पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि भारत व्यापारिक मामलों को आपसी सम्मान और पारदर्शिता के आधार पर सुलझाना चाहता है। साथ ही भारत का हमेशा यह रुख रहा है कि किसी भी देश के साथ बराबरी और परस्पर लाभकारी व्यापार ही उसका उद्देश्य है।

ट्रेड डील पर क्या है स्थिति?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों में पिछले कुछ वर्षों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। ट्रम्प के राष्ट्रपति रहते अमेरिका ने भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंस (GSP) की सूची से बाहर कर दिया था, जिससे भारत को अमेरिकी बाजार में मिलने वाली शुल्क रियायतें खत्म हो गई थीं। इसके जवाब में भारत ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाया था। जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद व्यापारिक संबंधों में थोड़ी नरमी आई और दोनों देशों के बीच तकनीकी, रक्षा और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा है, लेकिन एक व्यापक व्यापार समझौता अब तक फाइनल नहीं हो पाया है।

चुनावी रणनीति भी हो सकती है मकसद

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रम्प का यह बयान मुख्यतः उनके चुनावी एजेंडे का हिस्सा है। वे चीन और भारत जैसे देशों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाकर अमेरिकी मतदाताओं को यह संदेश देना चाहते हैं कि वे घरेलू उद्योगों की रक्षा के लिए कोई भी कदम उठा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ट्रम्प दोबारा सत्ता में आते हैं, तो भारत के लिए अमेरिका के साथ व्यापार करना और कठिन हो सकता है, जब तक कि दोनों देश आपसी सहमति से एक स्पष्ट और पारदर्शी समझौते पर नहीं पहुंचते। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ फिर सख्त तेवर दिखाते हुए चेतावनी दी है कि अगर भारत ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील को जल्द अंतिम रूप नहीं दिया, तो वह भारतीय वस्तुओं पर 25% तक आयात शुल्क लगा सकते हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि भारत अमेरिकी सामानों पर भारी टैक्स लगाता है जबकि खुद अमेरिकी बाजार से लाभ उठाता है। उन्होंने कहा कि यह फेयर ट्रेड नहीं है। ट्रंप ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में 2020 में उन्होंने ही भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया था। ट्रंप के मुताबिक अगर उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो दोनों देश युद्ध में उतर जाते। भारत सरकार ने इन बयानों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ट्रंप का यह बयान चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वे सख्त नेता की छवि पेश कर घरेलू उद्योगों की सुरक्षा का संदेश देना चाहते हैं।

गाजा में मानवीय संकट चरम पर: दो साल में 60 हजार मौतें

-20 हजार बच्चे कुपोषण के शिकार

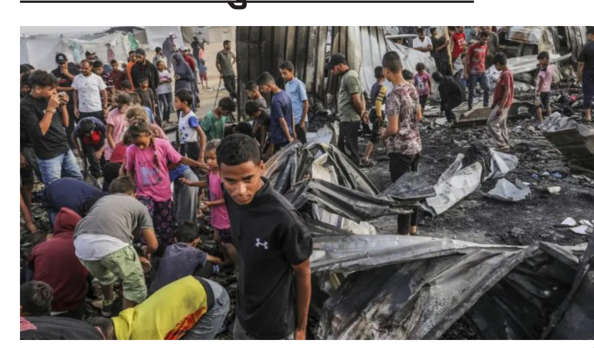

गाजा सिटी। फिलिस्तीन के गाजा पट्टी में हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, पिछले दो वर्षों में गाजा में 60 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वहीं, करीब 20 हजार से अधिक बच्चे कुपोषण की गंभीर स्थिति से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) और यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि गाजा में जो स्थिति बन रही है, वह "अकाल" से भी बदतर है।

युद्ध, घेराबंदी और भोजन की भारी किल्लत

गाजा पर इजरायल की तरफ से लंबे समय से की जा रही घेराबंदी, बार-बार की गई सैन्य कार्रवाइयों और युद्ध जैसे हालातों के चलते वहां जीवन-निर्वाह के सभी साधन बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। खाद्य आपूर्ति की सीमित पहुंच, स्वच्छ पानी की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं की तबाही ने इस क्षेत्र को मानवीय संकट के भंवर में धकेल दिया है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हाल की सैन्य कार्रवाइयों में हजारों नागरिक मारे गए हैं। सड़कों, अस्पतालों और स्कूलों तक को टारगेट किए जाने के कारण नागरिक जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुका है। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का कहना है कि गाजा के अस्पतालों में दवाओं और उपकरणों की भारी कमी है। हजारों घायल नागरिक इलाज के लिए लाइन में हैं लेकिन पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही।

बच्चों की हालत सबसे खराब

UNICEF की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा के उत्तरी हिस्से में पांच साल से कम उम्र के 90% से अधिक बच्चे गंभीर भूख का शिकार हैं। इनमें से करीब 20 हजार बच्चे ऐसे हैं जिन्हें तत्काल चिकित्सकीय सहायता और पोषण की जरूरत है, वरना उनकी जान पर बन सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि गाजा में कुछ इलाकों में लोग घास, जानवरों के चारे और गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। UN के मुताबिक, वहां अब "फेमिन (Famine)" जैसी स्थिति नहीं, बल्कि उससे भी कहीं ज़्यादा भयानक परिदृश्य बन गया है, जिसे "फेमिन प्लस" कहा जा सकता है। कई एजेंसियों ने इसे आधुनिक समय की सबसे भीषण मानवीय त्रासदियों में से एक करार दिया है।

मानवीय सहायता भी बन गई राजनीतिक हथियार

गाजा में राहत सामग्री पहुंचाने के रास्ते बेहद सीमित हैं और जिन पर भी मदद भेजी जाती है, उन्हें रोक दिया जाता है या बहुत देर से पहुंचने दिया जाता है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवाधिकार संगठनों ने इस मुद्दे को लेकर इजरायल पर बार-बार सवाल उठाए हैं। हाल ही में UNRWA (United Nations Relief and Works Agency) ने दावा किया कि सैकड़ों ट्रक जिनमें भोजन, दवा और जल-सहायता सामग्री थी, उन्हें इजरायली चेकपॉइंट्स पर रोक दिया गया।

आम नागरिकों के लिए कोई राहत नहीं

गाजा के निवासी मुहम्मद अली ने एक इंटरव्यू में बताया, "हमने अपने बच्चों के लिए खाना ढूंढने के लिए घर के बर्तन बेच दिए। अब बेचने के लिए कुछ भी नहीं बचा।" कई रिपोर्ट्स के अनुसार, लाखों लोग खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं, उनके पास ना शरण है, ना खाना और ना सुरक्षा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,